दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 105/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 17 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

एमपी के मन में मोदी

"मोदी की गारंटी

यानि हर गारंटी के पूरी होने की गारंटी"

अगले 5 सालों तक गरीबों को मुफ्त राशन

₹450 में गैस सिलेंडर

किसानों से गेहूं - ₹2700 प्रति क्विंटल धान - ₹3100 प्रति क्विंटल खरीदेंगे

लाड़ली बहनों को मासिक आर्थिक सहायता के साथ पक्का मकान

हर परिवार से कम से कम एक सदस्य को रोजगार- स्वरोजगार देंगे

गरीब परिवार की छात्राओं को KG से PG तक मुफ्त शिक्षा

गरीब परिवार के छात्रों को 12वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा

तेंदूपत्ता संग्रहण दर करेंगे ₹4,000 प्रति बोरा

हर गरीब परिवार के लिए पक्का घर पीएम आवास के साथ सीएम जन आवास योजना शुरू करेंगे

कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं

मोदी की गारंटी भाजपा का भरोसा

फिर इस बार भाजपा सरकार

प्रकाशक- एमपी बीजेपी, प्रदेश कार्यालय

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 105/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 17 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

प्रधानमंत्री की अपील, वोट जरूर डालें

पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा, मध्य प्रदेश में आज सभी विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग है। मेरी आपसे विनती है कि आप लोकतंत्र के महापर्व में अपना योगदान दें। आपका हर एक वोट महत्त्वपूर्ण है।

मध्यप्रदेश में नई सरकार के लिए मतदान

जीत हमारी होगी: चौहान

सीएम शिवराज सिंह ने कहा, हर तरफ लोगों में जबरदस्त उत्साह है। मुझे प्रदेश में लाड़ली बहनों, बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों का प्रेम मिल रहा है। जीत हमारी होगी।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने डाला वोट

पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी अपने बेटे नकुलनाथ और बहू प्रिया नाथ के साथ शिकारपुर में मतदान किया। कमलनाथ ने मतदान से पूर्व शिकारपुर स्थित मंदिर में पहुंचकर पूजन भी किया। इसके बाद वे सौंसर विधानसभा के ग्राम शिकारपुर में मतदान करने के लिए पहुंचे।

दोपहर तक तीस प्रतिशत वोटिंग, मुरैना में गोली चली, राजनगर में कांग्रेस पार्षद की हत्या, महू में कांग्रेसियों पर तलवार से हमला, भिंड में भाजपा प्रत्याशी पर हमला

भोपाल। मध्यप्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों आज मतदान हो रहा है। दोपहर तक 30 प्रतिशत वोटिंग होने की खबर है। छतरपुर में कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नाती राजा की गाड़ी चला रहे पार्षद की कुचलने से मौत हो गई। मुरैना जिले के दिमनी के एक मतदान केंद्र पर फायरिंग हो गई। हरदा में पोलिंग बूथ पर करंट से एक युवक और खरगोन में हार्ट अटैक से महिला की मौत हो गई। इंदौर के महू में भाजपा कार्यकर्ता ने कांग्रेसियों पर तलवार से हमला कर दिया। भिंड के मेहगांव में भाजपा प्रत्याशी पर हमला किए जाने की खबर है। राजनगर से विधायक विक्रम सिंह ने आरोप लगाया कि उन पर गाड़ी चढ़ाकर हत्या का प्रयास किया गया। फायरिंग भी की गई। उनकी गाड़ी चला रहे पार्षद सलमान खान की कुचलकर हत्या कर दी। विक्रम ने ये आरोप भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया पर लगाए हैं। वहीं, अरविंद पटेरिया ने एक वीडियो जारी कर कहा, कांग्रेस प्रत्याशी झूठा आरोप लगा रहे हैं।

मुरैना में मतदान के बीच गोलियां चलीं, पथराव

मध्यप्रदेश विधानसभा की सभी 230 सीटों पर शुक्रवार को मतदान हो रहा है। हिंसा की खबरें भी सामने आने लगी हैं। हाई प्रोफाइल सीट दिमनी विधानसभा (मुरैना) में गोलियां चल गईं। पथराव भी हुआ। एक युवक गंभीर घायल हुआ है। तीन से चार लोगों के भी घायल होने की सूचना है। मुरैना के मिरघान गांव पहुंचा। यहां सुबह पोलिंग बूथ 146 और 147 पर जबरदस्त हंगामा हुआ। मतदाताओं को रोकने-टोकने पर दो पक्षों में पथराव हुआ। घायल हालत में प्रिंस तोमर नाम के युवक को अस्पताल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि उसे छर्रे लगे हैं। पुलिस फोर्स ने पोलिंग बूथ से लोगों को खदेड़कर स्थिति को संभाला। ग्रामीणों का आरोप है कि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के इशारे पर गुंडागर्दी हो रही है। वे किसी भी तरह जीतना चाह रहे हैं। शासन निरंकुश हो चुका है। पोलिंग बूथ तक पहुंचने नहीं दिया जा रहा। हम जैसे-तैसे वोट डालने गए भी तो पीटा गया। कपड़े तक फाड़ दिए गए। दिमनी से केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी नरेंद्र सिंह तोमर चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस से रवींद्र तोमर उनके मुकाबले में हैं।

उधर, पुलिस फायरिंग की बात से इनकार कर रही है। एसपी बृजेश प्रसाद ने कहा कि फायरिंग नहीं हुई है। वोट सभी डाल रहे हैं। पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से एक्टिव है। कोई किसी को वोट डालने से नहीं रोक सकता।

मेहगांव भाजपा प्रत्याशी पर कांग्रेस प्रत्याशी के गांव में हमला

मेहगांव विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी राहुल सिंह भदोरिया के गांव मानहड़ में भाजपा प्रत्याशी राकेश शुक्ला पर हमला हुआ। भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों व सुरक्षा कर्मियों ने फायरिंग कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घटना में एक व्यक्ति और गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्वालियर में ग्वालियर पूर्व विधानसभा में भाजपा समर्थक ने कांग्रेस समर्थक का सिर फोड़ दिया। हालांकि अभी इस मामले में पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। लेकिन बताया जाता है कि थाटीपुर में भाजपा प्रत्याशी माया सिंह समर्थक रूप सिंह गुर्जर ने कांग्रेस प्रत्यशी सतीश सिकरवार के समर्थक दीपक शर्मा से विवाद हो गया। विवाद में रूप सिंह गुर्जर ने दीपक शर्मा का सिर फोड़ दिया।

मंत्री सिंधिया ने डाला वोट, कहा- भाजपा की सरकार बन रही है

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के शिशु मंदिर में वोट डाला। इस दौरान मीडिया से चर्चा में सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बन रही है। सीएम के चेहरे को लेकर सिंधिया ने कहा कि मैं सीएम की रेस में नहीं हूं, यह पार्टी निर्णय करेगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने किया मतदान, कहा- कांग्रेस घबराई हुई है

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाला। वे ग्वालियर पूर्व विधानसभा के पोलिंग बूथ पर पहुंचे और मताधिकार का प्रयोग किया। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इस दौरान कहा कि मध्यप्रदेश में प्रचंड बहुमत से फिर भाजपा सरकार आ रही है। दिमनी में हुई फायरिंग पर तोमर ने कहा कि कांग्रेस हार से भयभीत और घबराई हुई है।

राजेंद्र शुक्ल ने सपरिवार किया मतदान

जनसंपर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा विधानसभा क्षेत्र वार्ड नं-23, अमहिया के मतदान केंद्र क्रमांक-11 में सपरिवार मतदान किया। मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सभी मतदाताओं से लोकतंत्र मज़बूत करने और राष्ट्रहित में मताधिकार का प्रयोग करने की अपील भी की है।

नकुलनाथ को भाजपा कार्यकर्ताओं ने रोका

छिंदवाड़ा में सांसद नकुलनाथ को भाजपा कार्यकर्ताओं ने मतदान केंद्र में जाने से रोक दिया। इस बात पर हंगामा हो गया। नकुलनाथ पोलिंग बूथ पर निरीक्षण करने पहुंचे थे। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष विजय पांडेय ने उन्हें वार्ड 25 बरारीपुरा के बूथ 25 के अंदर जाने नहीं दिया।

मतदान केंद्र में करंट से मौत

हरदा के धनगांव में मतदान केंद्र पर करंट लगने से सुनील (27) पिता भूरे लाल की मौत हो गई। यहां टेंट को ऊंचा करते वक्त चार लोगों को करंट लगा था। घायल पंचायत सचिव अनिल विश्नोई का जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खरगोन जिले में पोलिंग बूथ की लाइन में खड़ी भूरली बाई (53) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। भूरली बाई को लकवा की बीमारी थी। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है।

तलवार से हमला

इंदौर की महू में भाजपा कार्यकर्ता बीरबल ने कांग्रेस कार्यकर्ता दयाराम और तोलाराम पर तलवार से हमला कर दिया। दोनों को मालवा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बीरबल को हिरासत में लिया है। शुजालपुर में भाजपा प्रत्याशी और मंत्री इंदर सिंह परमार के समर्थकों और कांग्रेस प्रत्याशी रामवीर सिंह सिकरवार के समर्थकों के बीच तीखी नोंकझोक हो गई। इस दौरान मंत्री परमार भी मौजूद थे। यहां मशीन खराब होने के कारण 40 मिनट तक मतदान भी बंद रहा।

मतदान का बहिष्कार

सीहोर के आष्टा, रायसेन के सांची विधानसभा के झामर, शहडोल की जैतपुर विधानसभा के नगपुरा और मलया में लोगों ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया। वे मूलभूत सुविधाएं नहीं बनने से नाराज हैं। मैहर में विष्णुपुर मतदान केंद्र में दो स्थानों पर बरकुला और अमातारा में लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया।

छत्तीसगढ़ में 11 बजे तक 19.67 फीसदी वोटिंग, पाटन में सीएम बघेल ने परिवार के साथ डाला वोट

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। सुबह से ही लोग लंबी-लंबी लाइनें लगाए हुए हैं। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में वोटिंग को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है। पहले चरण का मतदान 7 नवंबर को हुआ था। पहले चरण में 90 में से 20 सीटों पर मतदान हुआ था और बाकी 70 सीटों पर आज वोटिंग हो रही है। इन 70 सीटों पर कुल 958 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

भोपाल में अब तक 19.30 प्रतिशत वोटिंग

भोपाल के सात विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 11 बजे तक 7.95 मतदान हुआ है। 4 घंटे में हुजूर में 23.50 और मध्य में 15.40 प्रतिशत मतदान हुआ है। कई मतदान केंद्रों पर सबसे पहले वोट डालने के लिए लोग समय से पहले ही पहुंच गए। पहली बार मतदान कर रहे युवा भी वोट डालने पहुंच रहे हैं। बुजुर्ग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र पर बैठने की व्यवस्था की गई है। भोपाल के उत्तर और नरेला क्षेत्रों में मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की कतार लगी हुई है। फर्स्ट टाइम वोटर अपने परिजन के साथ वोट डालने पहुंच रहे हैं। उनका कहना हैं कि मतदान के बाद काफी अच्छी लग रहा है। नरेला क्षेत्र वार्ड 40 के के बूथ नंबर 175 वोटिंग मशीन की तकनीकी समस्या की वजह से 40 मिनट देरी से मतदान शुरू हुआ। भोपाल दक्षिण-पश्चिम से भाजपा प्रत्याशी भगवान दास सबनानी मतदान शुरू होने से पहले मंदिर में पूजा करने पहुंचे। दक्षिण-पश्चिम से भाजपा प्रत्याशी ध्रुबनारायण सिंह ने अरेरा कॉलोनी में मतदान किया। राजधानी के 20.86 लाख से अधिक वोटर शुक्रवार को नई सरकार चुनेंगे। जिले के कुल 2049 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वे मतदान कर सकेंगे। जिले की सभी सात विधानसभा सीटों के लिए कुल 96 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है।

इंदौर जिले में सुबह 11 बजे तक 23.5 प्रतिशत वोटिंग

इंदौर जिले की नौ सीटों पर वोटिंग जारी है जो शाम 6 बजे तक चलेगी। पहले चार घंटे में सुबह 11 बजे तक जिले में औसत 23.54 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे कम इंदौर-5 में 21 प्रतिशत, सबसे ज्यादा देपालपुर में 30 प्रतिशत वोट डले। 2018 चुनाव में पहले चार घंटे में जिले में औसत 33.7 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इंदौर-3 में दो जगह फर्जी मतदान की शिकायत कांग्रेस ने की है। उधर, महू में हमले में दो कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। एक भाजपाई को हिरासत में लिया है। जिले की नौ सीटों पर कुल 92 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इंदौर-1 के प्रत्याशी और भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर-2 के प्रत्याशी रमेश मेंदोला और परिवार के साथ वोट डाला। राऊ के कांग्रेस प्रत्याशी जीतू पटवारी ने गाय को पूजा। इंदौर-3 के कांग्रेस प्रत्याशी पिंटू जोशी ने खजराना गणेश के दर्शन भी किए। महू तहसील के मांगलिया में कांग्रेस कार्यकर्ताओं दयाराम व तोलाराम पर धारदार हथियार से हमला कर घायल किया। आरोपी भाजपाई बीरबल को पुलिस ने हिरासत में लिया है। घायलों का मालवा हॉस्पिटल महू में उपचार किया जा रहा है। इंदौर-3 में गाड़ी अड्डा हरिजन कॉलोनी के बूथ पर फर्जी मतदाता पकड़ाया। कांग्रेस ने की शिकायत। इंदौर-3 के कांग्रेस प्रत्याशी दीपक पिंटू जोशी ने फर्जी मतदाताओं की शिकायत निर्वाचन आयोग से की है।

सम्पादकीय

चुनावी बांड और पारदर्शिता

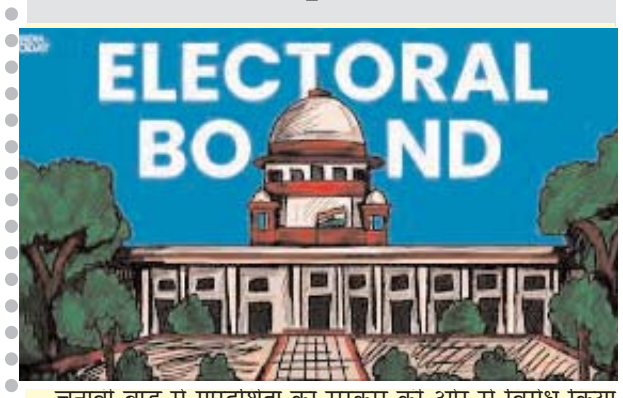

चुनावा बाड म पारदाशता का सरकार का आर स ावराध ाकया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय में पूरी हुई सुनवाई के दौरान यही लगता रहा कि राजनीतिक पार्टियां चुनावी चंदे को वैध तो करना चाहती हैं, लेकिन इसकी पारदर्शिता नहीं चाहतीं। हाल ही में न्यूज क्लिक का एक मामला सामने आया है, जिसमें उन विदेशी कंपनियों से मिले विज्ञापन को कार्रवाई का आधार बनाया गया है, जिन कंपनियों से राजनीतिक पार्टियों को चंदा मिला है। फिर सवाल यही उठता है कि राजनीतिक पार्टियों को मिला चंदा उस श्रेणी में क्यों नहीं आता?

चुनावी बांड की वैधता से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई पिछले दिनों पूरी हो गई। भारत सरकार की ओर से महाधिवक्ता यानि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राजनीतिक दलों के चंदे के बारे में जानने के आम लोगों के अधिकार का विरोध किया। उनके मुताबिक, चंदा देने वालों का प्राइवेसी का अधिकार ज्यादा महत्वपूर्ण है। दूसरी ओर नागरिकों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि राजनीतिक दलों को पैसा कौन दे रहा है। लेकिन पारदर्शिता की जरूरत मात्र इस वजह से ही हो, ऐसा नहीं है। यह राजनीतिक दलों की फंडिंग को नियमित करने के लिहाज से भी आवश्यक है।

वकील गौतम भाटिया ने दो साल पहले तर्क दिया था कि पारदर्शिता इसलिए जरूरी है ताकि नीतियां खरीदी न जाने लगें और राजनीतिक दलों के बीच संसाधनों के बंटवारे में थोड़ी निष्पक्षता लाई जा सके। दूसरी तरफ, यह भी कहा जा रहा है कि सौ फीसदी पारदर्शिता के भी अपने नुकसान हैं। इससे कंपनियां कानूनी रास्तों से बचने लगेंगी और चंदा देने के गैरकानूनी तरीके अपनाएंगी। कॉरपोरेट चंदे पर पूरी तरह रोक लगाने से भी कोई फायदा नहीं होने वाला। राजनीति में पैसे की जो केंद्रीय भूमिका हो गई है, उसे देखते हुए वहां पैसों का प्रवाह इन कदमों से कम नहीं होने वाला।

किस अधिकार के मुकाबले किस अधिकार को ज्यादा अहमियत मिलनी चाहिए, यह सवाल सिर्फ वैचारिक नहीं, व्यावहारिक भी है। सॉलिसिटर जनरल ने गलत नहीं कहा कि चंदा देने वालों को लेकर पूरी पारदर्शिता बरती गई तो वे प्रतिशोध का शिकार हो सकते हैं। अपने शुरुआती वर्षों में आम आदमी पार्टी फंडिंग की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए चंदा देने वालों के नामों की सूची प्रकाशित करने लगी थी। लेकिन इससे उसके डोनर जांच एजेंसियों के निशाने पर आ गए और आप को जल्दी ही पारदर्शिता का अपना यह विचार छोड़ना पड़ा। चुनावी बॉन्ड की एक दिक्कत यह भी है, जिसे खुद बेंच ने भी अपनी टिप्पणियों में रेखांकित किया कि यह पक्षपातपूर्ण गोपनीयता मुहैया कराता है। नागरिकों और विपक्षी दलों को जरा भी अंदाजा नहीं होता कि किसने किसे कितना चंदा दिया, लेकिन जांच एजेंसियों पर अपने कंट्रोल की बदौलत सरकार के पास पूरी जानकारी होती है। लिहाजा सत्तारूढ़ दल की भी पहुंच इन सूचनाओं तक हो जाती है।

यह सही है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भारत सरकार को फंडिंग से जुड़ी सूचनाएं मुहैया कराने को मजबूर नहीं है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसे ये सूचनाएं जाहिर करने से मना किया गया है। भारत में संस्थाओं की स्वायत्तता की जो स्थिति है, उसे देखते हुए इस तरह के गोपनीयता प्रावधानों पर शक लाजिमी है। दिलचस्प है कि ऐसी अधूरी गोपनीयता चंदा देने वालों को भी पसंद आती है। आखिर किसी राजनीतिक दल को चंदा देने का फायदा ही क्या जब किसी को कानोंकान इसकी खबर ही नहीं हो?

भले ही पूर्ण पारदर्शिता व्यावहारिक न हो और कई समस्याएं पैदा करती हो, लेकिन इसका उलटा तो और बुरा है। मौजूदा व्यवस्था कंपनियों की ओर से असीमित गुमनाम डोनेशन को वैधता प्रदान करती है। इस पर कानूनी निगरानी ना के बराबर है। इसमें शेल कंपनियों के जरिए राजनीति को पैसा पहुंचाने पर रोक का कोई इंतजाम नहीं है। यहां तक कि विदेशी कंपनियों की सहायक भारतीय कंपनियों को भी डोनेशन देने की इजाजत मौजूदा व्यवस्था में मिली हुई है। संवैधानिक संस्थाएं फिलहाल इस प्रक्रिया पर नजर रखने में समर्थ नहीं हैं।

चुनाव आयोग वैसे तो बहुत ताकतवर माना जाता है, लेकिन उसके पास भी राजनीतिक चंदे को नियमित करने के लिए आवश्यक कानूनी शक्तियां नहीं हैं। जो राजनीतिक दल समय पर अपने चंदों का ब्योरा नहीं देते, उन्हें दंडित करने की ताकत चुनाव आयोग के पास नहीं है। और जो पार्टी सत्ता में काबिज होती है, उसे लेकर तो निष्पक्षता पर लगातार सवाल उठते ही हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान ही साफ हो गया कि आयोग इलेक्टोरल बॉन्ड से जड़े नियमित आंकड़े भी नहीं रख पा रहा। ऐसे में कुछ लोगों का मानना है कि भारत में भी पब्लिक फंडिंग की व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए, जो ज्यादातर यूरोपीय लोकतांत्रिक देशों में है। हालांकि पहली नजर में आकर्षक लगती है, लेकिन यह व्यवस्था देश में नहीं लागू हो सकती। राजनीतिक पार्टियां इसके लिए कभी तैयार नहीं होंगी।

खैर बहस जारी है, कोर्ट के फैसले का भी इंतजार हो ही रहा है, लेकिन इसी बीच यह याद कर लेना बेहतर रहेगा कि राजनीति में कुल जितना पैसा आ रहा है, इलेक्टोरल बॉन्ड उसका एक बहुत छोटा सा हिस्सा है। असोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानि एडीआर के आंकड़ों की बात करें तो 2019 के चुनावों में पार्टियों को कुल 7360 करोड़ रुपये इलेक्टोरल बॉन्ड से मिले, जबकि सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के मुताबिक उन चुनावों में 60,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम खर्च की गई थी।

बेशक, चुनावी बॉन्ड ने राजनीति में पैसे डालने का एक नया कानूनी रास्ता बनाया है, लेकिन पुराने अवैध रास्ते बंद नहीं हुए हैं। यह बात शीशे की तरह साफ है कि चुनावी बॉन्ड चुनावी खर्च को कम करने की दिशा में कोई मदद नहीं कर पाए हैं। उलटे, चुनाव प्रचार के खर्च में बेतहाशा बढ़ोतरी होडुती जा रही है। चुनावी बॉन्ड ने यह भ्रम जरूर तैयार किया है कि भारत में राजनीतिक दलों की फंडिंग की प्रक्रिया अब पाक-साफ हो गई है। कारोबार और आम आदमी के लिए तो अवैध कमाई जेल जाने का रास्ता है, लेकिन राजनीति में ऐसा नहीं हो पा रहा है। खास तौर पर सत्ता में बैठे लोगों के लिए कानून और एजेंसियां असहाय होती जा रही हैं। फिलहाल फैसले का इंतजार करना होगा।

आस्था-विज्ञान का संगम, हठ योग का पर्व छठ

रामेन्द्र सिन्हा

मुंबई हो, सूरत, दिल्ली या सरहिंद, दो-चार दिन पहले तक बिहार-झारखंड और उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली ट्रेनों में मारामारी चल रही थी। घर जाने की आपाधापी में कहीं प्लेटफॉर्म पर भगदड़ में कोई मर गया तो कहीं पथराव और बवाल हो गया। आज से शुरू सूर्योपासना के पर्व छठ में घर पहुंचने की जल्दी सबको जो थी। इस पर्व को इस्लाम सहित अन्य धर्मावलंबी भी मनाते देखे जाते हैं। छठ पर्व को हठ योग भी कहा जाता है। छठ की सबसे बड़ी विशेषता है इस पर्व की सादगी, पवित्रता और प्रकृति के प्रति प्रेम। धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ ही यह पर्व सीधे वैज्ञानिकता से जुड़ा है।

छठ पर्व की प्रचलित अंतर्कथाओं को जितनी बार भी पढ़ें-जानें, लगता है कि फिर भी कम है। महाभारत के अनुसार, सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ही सूर्य देव उपासक थे। कर्ण का संबंध बिहार के भागलपुर से है। कर्ण प्रतिदिन स्नान करने के बाद सूर्य देवता को जल अर्पित करते थे। इसके बाद से ही बिहार में छठ पूजा मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन धर्मग्रंथों के अनुसार अंग जनपदीय यह क्षेत्र प्राचीन काल से ही सूर्योपासना की स्थली रही है।

एक अन्य कथा के अनुसार, महाभारत काल में जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए, तब द्रौपदी ने छठ व्रत किया। इससे उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हुईं तथा पांडवों को राजपाट वापस मिल गया। छठ महापर्व का उल्लेख रामायण काल में भी मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान राम सूर्यवंशी थे जिनके कुलदेवता सूर्य देव थे। लंका से रावण वध के बाद जब भगवान राम और सीता अयोध्या लौटने लगे तो पहले उन्होंने सरयू नदी के तट पर अपने कुल देवता सूर्य की उपासना की और व्रत रखकर डूबते सूर्य की पूजा की। यह तिथि कार्तिक शुक्ल की षष्ठी थी। अपने भगवान को देखकर वहां की प्रजा ने भी यह पूजन आरंभ कर दिया। ऐसा माना जाता है तब से छठ पूजा की शुरुआत हुई।

एक पौराणिक मान्यता है कि देव माता अदिति ने छठ पूजा की शुरुआत की थी। इसके अनुसार प्रथम देवासुर संग्राम में जब असुरों के हाथों देवता हार गये थे, तब देव माता अदिति ने तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। तब प्रसन्न होकर छठी मैया ने उन्हें सर्वगुण संपन्न तेजस्वी पुत्र होने का वरदान दिया था। इसके बाद अदिति के पुत्र हुए त्रिदेव रूप आदित्य भगवान, जिन्होंने असुरों पर देवताओं को विजय दिलायी। कहते हैं कि उसी समय से षष्ठी देवी के नाम पर इस धाम का नाम देव हो गया और छठ का चलन भी शुरू हो गया।

एक और पौराणिक कथा के अनुसार राजा प्रियंवद को कोई संतान नहीं थी, तब महर्षि कश्यप ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराकर उनकी पत्नी मालिनी को यज्ञाहुति के लिए बनायी गयी खीर दी। इसके प्रभाव से उन्हें पुत्र हुआ परन्तु वह मृत पैदा हुआ। प्रियंवद पुत्र को लेकर श्मशान गये और पुत्र वियोग

में प्राण त्यागने लगे। उसी वक्त ब्रह्माजी की मानस कन्या देवसेना प्रकट हुईं और कहा कि सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण मैं षष्ठी कहलाती हूँ। हे! राजन् आप मेरी पूजा करें तथा लोगों को भी पूजा के प्रति प्रेरित करें। राजा ने पुत्र इच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। यह पूजा कार्तिक शुक्ल षष्ठी को हुई थी।

छठ पर्व का व्रत एक बहुत ही कठिन तपस्या के समान है, इसीलिए इसे हठ योग भी कहते हैं। छठ व्रती अधिकतर महिलाएं ही होती हैं, लेकिन अनेक पुरुष भी यह व्रत रखते हैं क्योंकि यह लिंग प्रधान पर्व नहीं है। छठ पर्व को शुरू करने के बाद सालों-साल तब तक करना होता है, जब तक कि अगली पीढ़ी की कोई विवाहित महिला इसके लिए तैयार न हो जाए।

पौराणिक मान्यताएं चाहे जो भी हों छठ एक ऐसा पर्व है जो वैदिक काल से चला आ रहा है। इसमें कोई मूर्तिपूजा शामिल नहीं है। उगते सूर्य को अर्घ्य देने की रीति तो कई व्रतों और त्योहारों में है, लेकिन डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा केवल छठ पर्व में है। इससे एक बात ग्रहणीय है- प्रभुत्वशाली के साथ-साथ प्रभुत्वहीन या अस्तित्व के अवसान पर चल रहे व्यक्ति, इन दोनों का समादर होना चाहिए।

मैं पांच साल नौकरी में तैनाती के दौरान बिहार के मुजफ्फरपुर और भागलपुर में रहा। बड़ी गंडक और गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर उत्सवी माहौल में क्रमशः उगते एवं डूबते सूर्य को अर्घ देने का मनमोहक नजारा देखा, आरती की और अंत में सहकर्मी छठव्रती के घर प्रसाद ग्रहण करने का सौभाग्य भी पाया। दावे से कह सकता हूं कि धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ ही यह पर्व सीधे वैज्ञानिकता से जुड़ा हुआ है।

बिहार मे छठ पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, यूं कह सकते हैं कि बिहार कि संस्कृति बन चुका हैं। हालांकि, अब तो इसकी धूम अनेक राज्यों से लेकर विदेशों तक में व्याप्त हो चुकी है। श्रद्धालु साल भर पहले से ही छठ की तैयारी करने लगते हैं। हर दिन-हफ्ते या महीने अपनी सामर्थ्यानुसार कुछ पैसा छठी मैया के नाम पर गुल्लक में अलग जमा करते जाते हैं। फिर क्या छोटा क्या बड़ा, क्या अमीर क्या गरीब, कार्तिक शुक्ल चतुर्थी आते-आते इन घरों में दीपावली की रौनक और खुशनुमा हो जाती है।

घर के बाहर अन्यत्र रहने वाले परिजनों की कोशिश होती है कि दीपावली के साथ ही छठ पर्व भी न छूटे। घर-परिवार के लोग, यार-दोस्त पूछने लगते हैं कि कब आ रहे हो, नदी-पोखर की साफ सफाई चल रही, पर घाट तो तुम्हें ही बनाना है। डाला-सूप, कद्दू, गन्ना, फल-फूल, आटा आदि- इत्यादि सबका इंतजाम हो चुका, ठेकुआ भी तब तक बन जाएगा।

बोले तो, प्रकृति के संरक्षण के साथ-साथ यह पर्व कद्दू, आंवला, मकोई, मूंगफली जैसे फलों का महत्व बताते हुए इनके संरक्षण का संदेश देता है। अदरक, मूली, गाजर, हल्दी जैसी गुणकारी सब्जियों से अर्घ् दिया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। साथ ही साफ-सफाई पर भी ध्यान दिया जाता है, जो हमें विभिन्न बीमारियों से बचाता है। इस तरह, यह पर्व नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने की प्रेरणा देता है।

छठ पूजा के अनुष्ठान के दौरान गाया जाने वाला पारंपरिक गीत 'केरवा जे फरेला घवध से ओहपर सुग्गा मंड़राय, सुगवा जे मरवो धनुख से सुग्गा जइहें मुरझाए..,रोएली वियोग से, आदित्य होख ना सहाय..,' जैसे गीत इस बात को दर्शाते हैं कि लोग पशु-पक्षियों के संरक्षण की याचना कर उनके अस्तित्व की रक्षा के प्रति भी संवेदनशील हैं।

चार दिनों के इस व्रत में व्रती को लगातार उपवास करना होता है और भोजन के साथ ही आरामदेह बिस्तर, नियमित वस्त्र का भी त्याग किया जाता है। पहले दिन अर्थात् 'नहाय खाय' के दिन कद्दू खाने के पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ वैज्ञानिक महत्व भी है। कद्दू खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। कद्दू में पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट और पानी पाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह हमारे शरीर में शुगर लेवल को भी बनाए रखता है। कद्दू को इम्यूनिटी बूस्टर के तौर पर खाया जाता है जो व्रत रखने वालों को 36 घंटे तक उपवास रखने में मदद करता है।

36 घंटे का कठोर निर्जला उपवास (इसीलिए, इसे हठयोग कहा जाता है) शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर शुद्ध होता है। इतना ही नहीं, यह विटामिन डी की कमी को भी पूरा करता है। कार्तिक माह में सूर्य की किरणों में प्रचुर मात्र में विटामिन डी का समावेश होता है, जो कैल्शियम अवशोषण के लिए महत्वपूर्ण तत्व है। वैज्ञानिकों का मानना है कि कमर तक पानी में डूबकर सूर्य की ओर देखना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। इससे टॉक्सिफिकेशन की प्रक्रिया होती है। पानी में खड़े होकर अर्घ् दिया जाता है। इससे सूर्य की किरणों में 16 कलाएं होती हैं। जैसे रिफ्लेक्शन, रिफ्रेक्शन, डेविस्मन, स्कैटरिंग, डिस्पर्शन, वाइब्रेशन इत्यादि। लोटे से आड़े तिरछे जल की धारा से सूर्य की किरणें परावर्तित होकर जितनी बार आंखों तक पहुंचती हैं, उससे स्नायुतंत्र जो शरीर को नियंत्रित करते हैं, सक्रिय हो जाता है। दिमाग की कार्य क्षमता बढ़ जाती है।

ठेकुआ छठ महापर्व का प्रसाद है। ठेकुआ के बिना पूजा पूरी नहीं मानी जाती है। लोग इसे चाव से खाते भी हैं, मुझे तो बहुत पसंद है। ठेकुआ को ठेकरी और खजूरिया के नाम से भी जाना जाता है।

छठ पूजा में छठी मइया का यह मन्त्र बोला जाता है-

सूर्य देवं नमस्ते स्तु गृहाणं करूणा करं
अर्घ्यं च फलं संयुक्त गन्ध माल्याक्षतै युतम्

और ये भी गजब: बिहार के गोपालगंज के हजियापुर गांव की रेहाना खातून के छठ व्रत का यह तीसरा वर्ष होगा। इश्तेखार मियां की पत्नी रेहाना पिछले साल नहाय-खाय पर रेहाना छठी मइया के गीत गुनगुना रही थीं। आंगन में प्रसाद के लिए गेहूं सूख रहा था। रेहाना ने तीन वर्ष पहले घाट पर जाकर छठी मइया से अपना घर बनवा देने की मनौती मांगी थी। मनौती पूरी हो गई। उसके बाद से वह भी छठ करने लगीं। रेहाना के अनुसार, जब भी घर में काम लगाने की कोशिश होती थी तो कोई न कोई विपदा आ जाती थी। अब, अनुष्ठान से उनके स्वजनों को भी परेशानी नहीं। वहीं इसी गांव की मलिका खातुन का कहना है कि यहां पर कई ऐसे परिवार हैं, जो छठ पूजा पहले से करते आ रहे हैं। इन्हीं में से एक सहाना खातुन के अनुसार, सालों से बेटा नहीं हो रहा था। किसी ने बताया कि छठ घाट पर जाकर मन्नत मांगने से मुरादें पूरी होती हैं। कोविड काल में छठ घाट पर पहुंची, मन्नत मांगी, जिसके बाद मन्नत पूरी होने पर छठ व्रत शुरू किया।

छपरा की वार्ड पार्षद नरगिस बानो पिछले 11 साल से छठ की पूजा अपने तरीके से करती आ रही हैं। वह पड़ोस में छठ करने वाली हिंदू महिला के घर पैसे दे आती हैं, ताकि उनके लिए अलग से प्रसाद तैयार हो जाए। छठ के दोनों अर्घ्य के दिन तब तक उपवास रहती हैं, जब तक सूर्य को अर्घ्य न दे दिया जाए। सपरिवार छठ घाट जाती हैं और अपने तरीके से करती हैं सूर्य को प्रणाम। नरगिस की दादी भी छठ पूजा किया करती थीं।

बिहार के अलग-अलग इलाक़ों में ऐसी मुस्लिम महिलाएं और ऐसे परिवार बड़ी संख्या में मिल जाएंगे। फिर चाहे वह गोपालगंज के शेर गांव की एक दर्जन से अधिक मुस्लिम महिलाएं हो, जिनकी मन्नत छठी मैया ने पूरी कर दी या फिर मधेपुरा के बेलो पंचायत के मोहम्मद सलाउद्दीन का परिवार, जिनकी मां मानती हैं कि छठी मैया ने ही उनके बेटे को नदी में डूबने से बचाया था।

किस पायदान पर हैं, हमारे विश्वविद्यालय ?

क्लीन एयर चैम्पियन से सीखें पर्यावरण संरक्षण

अमिताभ पाण्डेय

भारत के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के दिनों में पटाखों से होने वाले प्रदूषण पर चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कुछ बिरले लोग ऐसे हैं, जो पूरी शिद्दत से वायु प्रदूषण से निजात पाने के लिए अपने स्तर पर योगदान दे रहे हैं। आइये मिलें कुछ क्लीन एयर चैंपियन्स यानी जीवनदायी स्वच्छ वायु के लिए व्यक्तिगत प्रयास कर रहे पैरोकारों से...

उत्तर प्रदेश के वसुंधरा, गाजियाबाद की स्कूल संचालक मालविका दास और उनका परिवार कई वर्षों से प्रदूषण ना बढ़े इस कारण पटाखों के बगैर दीपावली मना रहा है। उनकी दोनों बेटियों श्रेयोषी, 19 वर्ष और उशोषी, 16 वर्ष ने बचपन में ही पटाखों से दूरी बना ली। श्रीमती दास बताती हैं, करीब 10-12 साल पहले मेरी दोनों बेटियां छोटी थीं तब हम (माता-पिता) खुद पटाखे लाकर उन्हें देते थे, तब तो यहां इतना वायु प्रदूषण महसूस भी नहीं होता था। लेकिन जब उन्होंने स्कूल में वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में पढ़ा और कुछ समय बाद इसे महसूस भी किया तो खुद ही पटाखों के बगैर दिवाली मनाने का निर्णय ले लिया।

इसी कड़ी में रोहतक, हरियाणा में महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर और जनसंपर्क विभाग के निदेशक सुनीत मुखर्जी का कहना है, मैं दीवाली का त्योहार पूरे उत्साह से मनाता हूं, लेकिन पटाखे नहीं फोड़ता। 53 साल के मुखर्जी इसकी मूल वजह विस्तार से बताते हैं, 1982 में जब मैं 12 साल का था तब दीवाली के साथ-साथ पटाखे फोड़ने का उत्साह था। मैंने खूब पटाखे फोड़े। लेकिन दूसरे दिन देखा कि जगह-जगह जले पटाखों के निशान बने हुए थे, वहां सफाई हो रही थी। उस वक्त मेरे दिमाग में कुछ कौंधा तो था, क्या यह ठीक है? फिर वो दिन और आज का दिन है, मैंने दिवाली तो हर बार मनाई लेकिन पटाखे नहीं फोड़े।

इंदौर के सेवानिवृत्त रेडियोग्राफर शिवाकांत वाजपेई भी दिवाली हर्षोल्लास से मनाते हैं लेकिन पटाखे बिल्कुल नहीं फोड़ते। इस दिवाली सोशल मीडिया पर भी प्रदूषण के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए हैं। उनका कहना है, दिल्ली से लेकर इंदौर तक कई जगह पटाखों के कारण एक्यूआई कितना बढ़ा है। सुप्रीम कोर्ट जब पटाखों पर प्रतिबंध लगा है तो हमें यह सोचना चाहिए कि हम पटाखे फोड़ कर कैसी खुशी मना रहे हैं।

वायु गुणवत्ता वैज्ञानिक मानते हैं, हर हाल में वायु प्रदूषण कम हो: मध्यप्रदेश के इंदौर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए चल रहे क्लीन एयर कैटलिस्ट (सीएसी) वायु गुणवत्ता वैज्ञानिक और एन्वायर्नमेंटल डिफेंस फंड (ईडीएफ) के वरिष्ठ वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. श्रीकांत वाकचेर्ला बताते हैं, प्रदूषकों का उत्सर्जन और मौसम संबंधी कारण किसी भी जगह की वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। यदि कहीं प्रदूषकों का उत्सर्जन होता है, तो मौसम भी वायु गुणवत्ता को खराब कर सकता है। चूंकि मौसम पर हमारा नियंत्रण नहीं है, प्रदूषकों के उत्सर्जन में कटौती करना हवा की गुणवत्ता में सुधार का एकमात्र तरीका है। यानी दूसरे बड़े उपायों के अलावा हम पटाखों जैसी चीजें अपने हाथों से जला कर अपना ही पर्यावरण खराब न करें।

जरा सोचो, आतीशबाजी बढ़ाती है 2 से 10 गुना वायु प्रदूषण

साफ हवा के लिए अपनी कोशिशें बढ़ाना अपने और अपनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए दिवाली मनाना मौजूदा वक्त की बहुत बड़ी जरूरत है। सीएसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक और डब्ल्यूआरआई के वायु गुणवत्ता निदेशक डॉ. प्रकाश दोरईस्वामी के मुताबिक, भारत के ज्यादातर इलाकों में पहले से ही बड़े पैमाने पर वायु प्रदूषण है जो आतिशबाजी के कारण बढ़ जाता है। आतिशबाजी 2 से 10 गुना अधिक वायु प्रदूषण का कारण बनती है और जहरीले पदार्थों का उत्सर्जन करती है।

पटाखों की वजह से होने वाला प्रदूषण सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। सीएसी से जुड़ीं और ईडीएफ की वरिष्ठ स्वास्थ्य वैज्ञानिक डॉ. अनन्या रॉय बताती हैं, पटाखों से निकलने वाले छोटे कण और गैसें वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि का कारण बनती हैं। जब ये कण शरीर के अंदर जाते हैं, तो खांसी, घरघराहट और सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। इसका असर फेफड़ों के अलावा हृदय और अन्य अंगों तक फैल सकता है, जिससे दिल के दौरा, स्ट्रोक (लकवा) का खतरा बढ़ जाता है और मौजूदा बीमारियां की तकलीफ बढ़ जाती है।

इंदौर महापौर ने दिया ग्रीन क्रैकर्स के इस्तेमाल का सुझाव

स्वच्छता, जल प्रबंधन और वायु गुणवत्ता सुधार में अग्रणी इंदौर शहर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव हर त्योहार पर अपने नगरवासियों से आग्रह करते हैं कि पर्व का उल्लास कम न हो और हम पर्यावरण को लेकर भी सजग रहें। भार्गव कहते हैं, मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय संस्कृति में जितने भी त्यौहार हैं, वे पूरे हर्षोल्लास आनंद और उत्साह के जिस भाव से मनाए जाते हैं वैसे ही मनाए जाएं। आजकल ग्रीन क्रैकर्स यानी पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाने वाले पटाखे आए हैं, हम उनके उपयोग का प्रयास करें। इस एक दिन के अलावा बाकी दिन भी हम पर्यावरण को दूषित होने से बचाएं।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के घटक राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (नीरी) के मुताबिक आम पटाखों की वजह से होने वाले वायु प्रदूषण को ग्रीन क्रैकर्स करीब 30 फीसदी तक कम कर सकते हैं। डॉ. रॉय कहती हैं, ग्रीन क्रैकर्स इस बात का प्रमुख उदाहरण हैं कि कितनी समझदारी और चतुराई से हम वायु प्रदूषण को कम कर सकते हैं और दिवाली पर लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं। हम वायु प्रदूषण के वास्तविक दोषियों जैसे- ट्रैफिक और उद्योग, जो कि हर दिन हमारे स्वास्थ्य को खतरे में डालते हैं, इसी सरलता को लागू कर सकते हैं और हमें करना भी चाहिए।%%

दास, मुखर्जी, सिंह, पारीक और वाजपेई जैसे नवाचारी और अनुकरणीय परिवार स्वच्छ हवा के प्रणेता बन कर दीपावली पर्व को बेहतर हवा वाले दिनों में बदल रहे हैं और ताज़ा हवा की उनकी तलाश एक बड़े त्योहार को नया स्वरूप प्रदान कर रही है। जैसा कि हम दिवाली मनाने के लिए एकजुट होते हैं, आइए हम बेतहाशा जलाए जा रहे पटाखों को कम से कम करके अपने पर्यावरण की रक्षा करें।

हिमालय की पारिस्थितिकी संवेदनशीलता की अवहेलना?

राकेश दुबे

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक हिमालय के ऊपरी हिस्से में एक सुरंग के निर्माण के दौरान उसके ढह जाने से 40 श्रमिक फंस हुए थे उन्हें बचाने के प्रयास जारी थे । यह घटना सरकार की चार धाम राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में उत्तरकाशी क्षेत्र में ब्रह्मखाल और यमुनोत्री के बीच घटी है।

चल रहे प्रयासों के कारण अभी यह मानने की पर्याप्त वजह है कि इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं होगी और कामगार इस मुश्किल परिस्थिति से सकुशल निकल आएंगे, परंतु यह एक और चेतावनी है कि देश के बड़े पहाड़ी इलाकों में अधोसंरचना परियोजनाओं को राजनीतिक कारणों से बढ़ावा दिया जा रहा है तथा इस दौरान तकनीकी और पर्यावरण संबंधी आकलन को बिल्कुल ध्यान में नहीं रखा जा रहा है।ऐसा आकलन अहम काम को टालने का जरिया नहीं है। इसके विपरीत इनकी मदद से यह सुनिश्चित किया जाता है कि इन कठिन क्षेत्रों में होने वाला निर्माण वहां काम कर रहे लोगों या बाद में उसका इस्तेमाल करने वाले लोगों के लिए किसी तरह जोखिम भरा साबित न हो।

ये इलाके भूस्खलन, अचानक आने वाली बाढ़ और यहां तक कि भूकंप के जोखिम वाले होते हैं। यहां होने वाले अधोसंरचना निर्माण का पर्याप्त मजबूत होना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ये निर्माण कई तरह के खतरों की जद में रहते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण न केवल मौसम में अतिरंजित बदलाव हुए हैं बल्कि बादल फटने की घटनाएं भी घटी हैं।

इस संदर्भ में चार धाम राजमार्ग जैसी विशालकाय निर्माण परियोजनाओं को तब तक खतरनाक माना जाना चाहिए जब तक कि उन्हें जलवायु वैज्ञानिकों और पारिस्थितिकी विशेषज्ञों की निगरानी में ध्यानपूर्वक तैयार नहीं किया गया हो। प्रत्येक कुछ सप्ताह में ऐसी खबर आती है कि इस क्षेत्र में किसी न किसी बड़ी परियोजना के साथ कुछ न कुछ घटित होता है।अभी कुछ सप्ताह पहले ही असम और अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर सुबनसिरि लोअर जलविद्युत परियोजना को एक भीषण भूस्खलन का सामना करना पड़ा जिसके चलते इस क्षेत्र में निर्माण कार्य खतरे में पड़ गया।

भूस्खलन के कारण वह इकलौती सुरंग बंद हो गई जिसका इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा था कि नदी का पानी आसपास के उस इलाके में पहुंचे जहां बांध का निर्माण हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि भूस्खलन के कारण आठ अलग-अलग नहरें भी प्रभावित हुईं जिन्हें रास्ता बदलने के लिए इस्तेमाल किया जाना था।

अक्टूबर के आरंभ में तीस्ता नदी के ऊपरी इलाके में अचानक आई बाढ़ के कारण चुंगथांग बांध के कुछ हिस्से बह गए और तीस्ता वी पावर स्टेशन को बंद करना पड़ा। तीस्ता-3 और तीस्ता-4 को गाद और कीचड़ से नुकसान पहुंचा और तीस्ता-6 के निर्माण को काफी नुकसान पहुंचा।

राष्ट्रीय जल विद्युत निगम ने एक नियामकीय फाइलिंग में बताया कि उसे 233.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इससे पहले गर्मियों में केंद्रीय बिजली प्राधिकरण ने अनुमान लगाया था कि जुलाई में आई बाढ़ के कारण जलविद्युत क्षेत्र को 164 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

अब वक्त आ गया है कि हम एक कदम पीछे लेकर उस प्रक्रिया का दोबारा आकलन करें जिसके माध्यम से ऐसी परियोजनाओं को मंजूर किया जाता है। चार धाम जैसी सामाजिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति इस बात का विकल्प नहीं हो सकती है कि वे तकनीकी रूप से व्यावहारिक हैं भी या नहीं।

यह आकलन करना भी आवश्यक है कि ऐसे निर्माण के लिए इंजीनियरिंग कौशल का आकलन किया जाए तथा यह देखा जाए कि क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियां इसके योग्य हैं या नहीं। खासतौर पर जलवायु परिवर्तन के कारण आई अतिरिक्त जटिलताओं को देखते हुए। इन तमाम बुनियादी बातों के बीच हिमालय क्षेत्र की पारिस्थितिकी संवेदनशीलता की चिंताओं को ध्यान में रखना आवश्यक है। यह क्षेत्र एक विशिष्ट जैवीय इलाका है जिसे विशेष देखभाल और

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

GANGA BLOCK
मेरा वोट अधिकार

मुझे मतदाता होने पर गर्व है।
मत मेरा अधिका

HOMESURE

मतदात
का हा
अभिन

HOMESURE
श मत मेरा अधिका

76
Superdnm

पिंक बूथ

JNGEST

कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले ग्राम रजवाड़ा में भाजपा ने लगाई सेंध

बरेली7 मध्य प्रदेश के कांग्रेस पार्टी के गद्दार नेता पूर्व मंत्री उदयपुरा विधानसभा में मजबूत पकड़ रखने वाले ठाकुर जसवंत सिंह रघुवंशी राजवाड़ा के सुपुत्र योगेंद्र सिंह रघुवंशी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष भारतीय जनता पार्टी की नीति रीति से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी परिवार में शामिल हुए 7 मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने योगेंद्र सिंह रघुवंशी को पार्टी का गमछा पहन कर भाजपा परिवार में स्वागत किया श्री रघुवंशी को भारतीय जनता पार्टी परिवार में जोड़ने के लिए ठाकुर रामपाल सिंह पूर्व मंत्री की अहम भूमिका रही 7 योगेंद्र रघुवंशी के भाजपा पार्टी में आने से कांग्रेस पार्टी में खलबली मच गई क्योंकि ग्राम रजवाड़ा कांग्रेस का गढ़ माना जाता है कांग्रेस के गढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने सेंध लगाई है 7 वहीं भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने पर उदयपुरा भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र शिवाजी पटेल ने श्री योगेंद्र का स्वागत किया ।

लोकतंत्र के महापर्व में बढ़ चढ़कर हो रहा जनमत

बैरसिया। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के तहसील बैरसिया में आमजन बड़ी संख्या में भागीदार बन रहे सुबह 7 बजे से शुरू हुऐ मतदान प्रक्रिया मैं महिलाएं एवं पुरुष लोकतंत्र के महापर्व में भाग ले रहे हैं सुबह से ही मतदान केदो पर लंबी लंबी कतार है मतदान केंद्र पर युवा मतदाता बड़ी संख्या में देखे गए बैरसिया तहसील में सुबह 9:00 बजे तक 11.5त्न मतदान हो चुका था वही बैरसिया के कांग्रेस प्रत्याशी जय श्री हरीकरण ने अपना मतदान तहसील के ग्राम खजुरिया रामदास मैं जाकर किया उनके साथ पूर्व राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर ने भी अपना मतदान किया बैरसिया में भाजपा से विष्णु खत्री और कांग्रेस से जय श्री हरीकरण चुनावी मैदान में है

कलेक्टर एवं एसपी ने जिले की चारों विधानसभाओं क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नर्मदापुरम / विधानसभा निर्वाचन के तहत आज जिले के कुल 1187 मतदान केंद्रों पर मतदान किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर चुनाव प्रक्रिया शुरू है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह ने मतदान दिवस के एक दिवस पूर्व जिले की चारों विधानसभाओं का सघन भ्रमण कर मतदान की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जिले के दूरस्थ मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया था। उन्होंने जिले के निर्धारित क्रिटिकल एवं संवेदनशील मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण कर शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने आदर्श मतदान केंद्रों पर भी व्यवस्थाएं देखी। कलेक्टर ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हे निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराएं।

संवेदन एवं वल्नरेवल मतदान केन्द्रों की जा रही वेबकास्टिंग

छतरपुर।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. के निर्देशन में विधानसभा चुनाव 2023 स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किये गये हैं। 17 नवम्बर को 1587 मतदान केन्द्रों में मतदान होना है। कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल कमांड सेंटर से 60 प्रतिशत मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की जा रही है। इसमें 24 घंटे लगातार मतदान केन्द्रों पर नजर रखी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी.आर. ने कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल कमांड सेंटर से वेबकास्टिंग की हो रही मॉनिटरिंग का निरीक्षण किया। साथ ही तैनात अधिकारी-कर्मचारियों को मतदान केन्द्रों पर बारीकी से नजर रखे जाने के निर्देश दिए।

भाजपा प्रत्याशी ने घर-घर जाकर मतदाताओं से लिया आशीर्वाद

खजुराहो। राजनगर विधानसभा में क्षेत्र में बुधवार की शाम को चुनावी प्रचार का शोर-शराबा थम गया था। इसके बाद गुरूवार को भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटैरिया ने मतदाताओं के घर-घर जाकर आशीर्वाद मांगा। इस दौरान जनता ने भाजपा का साथ देने की बात कही। उन्होंने कहा कि अब बदलाव का संकल्प लेकर हम भाजपा को बहुमत से जिताने का काम करेंगे। वहीं दूसरी ओर घर-घर जाकर जनसंपर्क कर रहे भाजपा प्रत्याशी ने आम जनमानस से सीधा संवाद करते हुए अपने लिए आशीर्वाद मांगा। जनता ने भी उनसे निश्चिंत रहने की बात कहते हुए आशीर्वाद देने का भरोसा दिया।

चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने एवं सकारात्मक वातावरण बनाने कार्यवाही

छतरपुर,। जिला दंडाधिकारी संदीप जी.आर. ने विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए छतरपुर जिले विभिन्न थाना अंतर्गत 17 आदतन अपराधियों पर एक साथ गुरुवार को जिला बदर की कार्यवाही की है। जिला दंडाधिकारी श्री जी.आर. द्वारा यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के प्रतिवेदन पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 तथा लोक व्यवस्था अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही की गई है। जिले के थाना कोतवाली अंतर्गत 06, थाना सिविल लाइन 01, गौरिहार में 02, सरबई में 01, नौगांव में 01, हरपालपुर में 01, बमीठा में 01, बाजना में 01, बकस्वाहा में 01, मातगुवां में 01 एवं खजुराहो थानांतर्गत 01 अपराधियों पर जिला बदर की कार्यवाही की गई है। इसके पहले 173 अपराधियों के विरूद्ध एक साथ कार्यवाही हो चुकी है।

मैं चुनाव लड़ता तो आप किसको वोट देते आप मानकर नरेन्द्र शिवाजी पटेल को भारी मतों से विजय बनाएं :प्रहलाद पटेल

बरेली 7 बुधवार को केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने देवरी तहसील के ग्राम थाला में उदयपुरा विधानसभा भाजपा नरेन्द्र शिवाजी पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है, जो सालों साल अपने देश के 80 करोड़ गरीबों को निःशुल्क अनाज उपलब्ध करा रहा हो। आने वाले पांच साल तक मुफ्त राशन देने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। उन्होंने कहा कि हमें किसानों के बारे में सोचना होगा, क्योंकि यदि अन्न के भंडार नहीं भरे होंगे तो निःशुल्क अनाज कैसे दिया जाएगा। इसलिए भाजपा ने तय किया है कि सामाजिक सुरक्षा देने के लिए बुजुर्गों और दिव्यांगों को हर महीने 15 सौ रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। नेताद्वेय ने बाद में रायसेन जिले के उदयपुरा पहुंचकर पार्टी प्रत्याशी श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

भाजपा वोट का सौदा नहीं करती

केंद्रीय मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा वोट का सौदा नहीं करती,बल्कि गरीब कल्याण और कमजोर वर्ग के हितैषी के रूप में कार्य करती है। भाजपा ने ही सुनिश्चित किया है कि श्रमिक कार्ड से आयुष्मान कार्ड उपलब्ध होगा और केन्द्र और राज्य की सभी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। श्री पटेल ने कहा कि यदि भाजपा की सरकार न होती तो देश और प्रदेश में दिख रही खुशहाली नहीं होती। श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान किसानों को सम्मान निधि के रूप में सालाना 12 हजार रुपये दे रहे हैं। लाड़ली बहना योजना की सम्मान राशि 3 हजार रुपये की जाएगी। बेटियों की शिक्षा का प्रबंध किया गया है,जिससे बेटियां अब परिवार के लिए बोझ नहीं है।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि उदयपुरा विधानसभा से मैं खड़ा होता तो आप किसको वोट देते मुझको मानकर ही नरेन्द्र शिवाजी पटेल को प्रचंड बहुमत से विजय बनाए नरेंद्र को मैं बचपन से जानता हूं उदयपुरा विधानसभा का विकास और प्रगति के रास्ते पर हमें आगे बढ़ाना है 7 इसलिए उदयपुरा विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड बहुमत विजय और मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार बनना जरूरी है 7

सुब्रत के पोते ने किया सहारा प्रमुख का अंतिम संस्कार, दोनों बेटे नहीं हुए शामिल

लखनऊ। सहारा इंडिया के चेयरपर्सन सुब्रत रॉय गुरुवार शाम साढ़े चार बजे पंचतत्व में विलीन हो गए। 16 साल के पोते हिमांक ने मुखाग्नि (अंतिम संस्कार) दी। इससे पहले अंतिम यात्रा लखनऊ के सहारा शहर से बैकुंठ धाम पहुंची। यहां पर अंतिम संस्कार किया गया। रॉय के बेटे, सुशांतो और सीमांतो, विदेश में हैं और उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके। हिमांक, रॉय की पत्नी स्वप्ना, उनकी भतीजी प्रियंका सरकार और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बुधवार को लखनऊ पहुंचे, जबकि रॉय का पार्थिव शरीर एक चार्टर विमान से लखनऊ ले जाया गया। हिमांक, सुब्रत के छोटे बेटे सीमांतो के बड़े बेटे हैं और लंदन में पढ़ते हैं। कार्डियोरेस्पिरेटरी अरेस्ट के कारण 14 नवंबर 2023 को रात 10.30 बजे सहारा प्रमुख का निधन हो गया था। वे 12 नवंबर से कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल (केडीएएच) में भर्ती थे। सुब्रत को मेटास्टैटिक स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्याएं थीं।

विकास और समृद्धि के लिए मुझे वोट देकर भारी बहुमत से जिताए-हेमंत खण्डेलवाल

यह बैतूल के भविष्य का चुनाव है, भाजपा से ही उज्जवल होगा भविष्य

बैतूल। बैतूल विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि यह चुनाव बैतूल के भविष्य का चुनाव है। भाजपा ने सबके विकास और तरक्की की चिंता की है। इसलिए भाजपा से ही बैतूल का भविष्य उज्जवल होगा। उन्होंने मतदाताओ से अपील की कि लोकतंत्र के महापर्व विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर बैतूल के चहुमुखी विकास और हर परिवार की समृद्धि के लिए मुझे वोट देकर भारी बहुमतो से चुनाव जिताए। उन्होंने कहा कि आपका आशीर्वाद मिलने पर मैं बैतूल के भविष्य की चिंता कर युवाओ को रोजगार, हर बच्चे को शिक्षा, हर व्यक्ति को चिकित्सा दिलवाने के साथ ही हर परिवार की समृद्धि के लिए मैं काम करूंगा। उक्त जानकारी भाजपा प्रत्याशी के मीडिया सेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

बैतूल विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि उन्होने अपने विधायकी कार्यकाल के साथ ही जब वे विधायक नही थे तब भी बैतूल में पेयजल, सिंचाई, चिकित्सा, शिक्षा, सड़क, रोजगार, आवास, खेल, मनोरंजन, संस्कृति सहित अन्य क्षेत्रो में अनेक काम करवाने के साथ ही जन-जन की समृद्धि के लिए भरपूर प्रयास किए। श्री खण्डेलवाल ने कहा कि बैतूल विधानसभा ही नही बल्कि पूरे जिले की जनता मेरा परिवार है। जब भी कोई मेरे पास किसी समस्या या काम लेकर आया तो मैने हमेशा सभी से आत्मीयता से मिलकर समस्याओ का निराकरण करने के साथ ही काम करवाकर उन्हे संतुष्ट किया। उन्होने कहा कि बैतूल में मूलभूत सुविधाओ और अधोसंरचना विकास पर तो काम हुए है। लेकिन युवाओ को रोजगार उपलब्ध करवाना आज की प्रमुख जरूरत है इसलिए आपका आशीर्वाद मिलने पर मैं बैतूल जिले में 10 से अधिक बड़े उद्योग लगवाउंगा। जिससे बड़ी संख्या में युवाओ को रोजगार मिलने के साथ ही बैतूल की तरक्की भी होगी।

कांग्रेस सत्ता में आई तो थम जाएगा विकास का सिलसिला-आदित्य बबला शुक्ला

जिले के चहुमुखी विकास के लिए भाजपा को दे अपना समर्थन

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो विकास का सिलसिला थम जाएगा। बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मध्यप्रदेश की सत्ता पर काबिज होने के बाद तात्कालिक मुख्यमंत्री कमलनाथ ने जनकल्याणकारी योजनाओ को बंद कर दिया था। उन्होने जिले के मतदाताओ से अपील की कि बैतूल जिले के चहुमुखी विकास, युवाओ को रोजगार दिलाने, महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने, आदिवासियो के उत्थान सहित जन-जन की समृद्धि के लिए मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने के लिए बैतूल जिले की पांचो विधानसभा सीटो पर भाजपा प्रत्याशियो को समर्थन देकर भाजपा के पक्ष में मतदान करे। मध्यप्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार बनने से विकास को रफ्तार मिलेगी। उक्त जानकारी भाजपा प्रत्याशी के मीडिया सेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सोच हमेशा विकास एवं आमजन की खुशहाली की रही है। लगभग 60 वर्षो तक कांग्रेस के शासनकाल में आमजन को मूलभूत सुविधाएं मिलना मुश्किल था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के 9 वर्ष के कार्यकाल और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लगभग 18 वर्षो के कार्यकाल में देश और प्रदेश में विकास के नए आयाम खड़े हुए है। केन्द्र और मध्यप्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ से समाज का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। महानगरो से लेकर शहरो, गांव और मजरे टोलो, ढानो में तरक्की साफ दिखाई दे रही है। श्री शुक्ला ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश कांग्रेस सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में बैतूल जिले में विकास की रफ्तार थम गई थी। भाजपा के शासनकाल में जो विकास कार्य शुरू हुए थे। उन्हे भी बंद कर दिया गया। इतना ही नही जनकल्याणकारी योजनाओ को भी बंद करने का काम कांग्रेस सरकार ने किया था। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शुक्ला ने मतदाताओ को आगह किया कि कांग्रेस सत्ता में आई तो विकास का सिलसिला थमने के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाएं भी बंद हो जाएगी। उन्होने कहा कि यह चुनाव क्षेत्र के विकास और आमजन की तरक्की की दिशा तय करने वाला है। इसलिए जिले के चहुमुखी विकास और जन-जन की समृद्धि के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान कर बैतूल जिले के पांचो विधानसभा क्षेत्रो के भाजपा प्रत्याशियो को आशीर्वाद दे। जिससे मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बने।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मप्र विधानसभा निर्वाचन- में जिले की चारों विधानसभाओं में लोकतंत्र का महोत्सव

औबेदुल्लागंज संवाददाता. (सुरेश केवट) कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा विधानसभा निर्वाचन के दृष्टिगत जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले समस्त मतदान केन्द्रों पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा निष्पक्ष चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए धारा 144 दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत निषेधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

कोई भी व्यक्ति मतदान स्थलों के 200 मीटर की परिधि में (यदि आंशिक रूप से आता है) 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों का समूह स्थानीय परिशांति भंग करने के उद्वेश्य से जनसमूह एकत्रित नही करेगा।न क्षेत्र में जलूस निकालेगा, न ही नारेबाजी करेगा और न ही ऐसा पर्चा आदि वितरित करेगा जिससे उत्तेजनात्मक स्थिति उत्पन्न हो जिससे निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो।मतदान कार्य में संलग्न अधिकारी/कर्मचारी तथा सुरक्षा व्यवस्था में सलंग्न व्यक्तियां के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति मतदान स्थलों के 100 मीटर की परिधि में मोबाईल/कार्डलेस फोन का उपयोग नही करेगा।मतदान स्थलों के 100 मीटर की परिधि में किसी भी राजनैतिक दल की कोई भी चुनाव सामग्री (बैनर/पोस्टर) का प्रदर्शन/प्रसारण तथा लाउड स्पीकर/मेगा सांउड प्रतिबंधित रहेगा।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से एक पक्षीय रूप से पारित किया गया है। जो कि रायसेन जिले के चारों विधानसभा उदयपुरा, भोजपुर, सांची और

सिलवानी क्षेत्रांतर्गत आने वाले समस्त मतदान केन्द्रों की 200 मीटर तक की सीमा क्षेत्र में प्रभावी होगा।

रायसेन जिले में विधानसभा निर्वाचन हेतु 1226 मतदान केन्द्रः मप्र विधानसभा निर्वाचन हेतु रायसेन जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1226 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। जिनमें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-140 उदयपुरा में 308 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-141 भोजपुर में 310 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-142 सांची में 332 मतदान केन्द्र तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-143 सिलवानी में 276 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

क्रिटिकल मतदान केन्द्रों के भीतर लगाए गए हैं सीसीटीवीःरायसेन जिले में लगभग 6000 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही 4300 से अधिक पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। जिले की चारों विधानसभाओं में कुल 645 क्रिटिकल मतदान केन्द्र हैं। इनमें विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा में 186, भोजपुर में 155, सांची में 166 तथा सिलवानी में 138 क्रिटिकल मतदान केन्द्र हैं। इन सभी 645 क्रिटिकल मतदान केन्द्रों के भीतर सीसीटीवी लगाए गए हैं। इनके अतिरिक्त कुल 44 जगहों पर भी कैमरे लगाए गए हैं।

रायसेन जिले में कुल 1007875 मतदाताः रायसेन जिले में कुल 1007875 मतदाता हैं, जिनमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 525474 है तथा महिला मतदाताओं की संख्या 482373 है। अन्य मतदाताओं की संख्या 28 है। उदयपुरा विधानसभा में कुल 262082 मतदाता हैं, जिनमें 136690 पुरूष मतदाताए 125387 महिला मतदाता और 05 अन्य मतदाता शामिल हैं। भोजपुर विधानसभा में कुल 255838 मतदाता हैं, जिनमें 133131 पुरूष मतदाताए 122693 महिला मतदाता और 14 अन्य मतदाता शामिल हैं। सांची विधानसभा में कुल 264582 मतदाता हैं, जिनमें 137657 पुरूष मतदाता, 126918 महिला मतदाता और 07 अन्य मतदाता शामिल हैं। सिलवानी विधानसभा में कुल 225373 मतदाता हैं जिनमें 117996 पुरूष मतदाताए 107375 महिला मतदाता और 02 अन्य मतदाता शामिल हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी अजय ने अपनी दोनों बेटियों के साथ पहुंचकर किया मतदान

दमोह जिले की दमोह विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने श्री सिद्ध क्षेत्र देव जटाशंकर धाम पहुंचकर भगवान शंकर का आशीर्वाद लिया और अजय टंडन अपनी दोनों बेटी पारुल टंडन एवं मनाली टंडन के साथ शासकीय ज्ञानचंद श्रीवास्तव पीजी कॉलेज में पहुंचकर अपना वोट डालकर अपने मत का प्रयोग कियाद्य तो वहीं अजय टंडन ने कहा कि आज लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर का निर्माण चालू हुआ है और वह होगा आपके मतदान के माध्यम से जिस हिसाब से आप मतदान करेंगे उसी हिसाब से लोकतंत्र का मंदिर खड़ा होगा सभी से अनुरोध है मतदाता अपने मत का प्रयोग करें जो आपको अधिकार दिए गए हैं उन अधिकारों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि एक मजबूत लोकतंत्र और एक मजबूत मध्य प्रदेश खड़ा हो इस दौरान श्री टंडन ने यह भी कहा कि चुनाव के परिणाम हमारे पक्ष में होगा निश्चित हंड्रेड परसेंट हमें विश्वास है अजय टंडन प्रदेश में कमलनाथ जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी यह जनता निर्णय ले चुकी है

नितिन गडकरी ने विद्याधर नगर में भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी के समर्थन में रोड शो में हिस्सा लिया

जयपुर- 16 नवम्बर। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने गुरुवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी दिया कुमारी के समर्थन में एक विशाल रोड शो में हिस्सा लिया। विद्याधर नगर के परशुराम सर्किल पर भगवान परशुराम की प्रतिमा को माल्यार्पण करने के बाद गड़करी और दिया कुमारी हज़ारों समर्थको के साथ मुरलीपुरा के विभिन्न इलाक़ों से होते हुए नाड़ी का फाटक पहुँचे, जहां उन्होंने एक सभा को संबोधित किया।

इस रोड शो में जयपुर ग्रेटर की मेयर सोम्या गुर्जर, पार्षदगण, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता और हजारों की संख्या में जनसमूह ने हिस्सा लिया। सभा के दौरान केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने चिर परिचित अंदाज में कांग्रेस पर निशाना साधा और दिया कुमारी के समर्थन में जनता से अपील की। भारी संख्या में उमड़े जन-सैलाब को देखकर गडकरी गद्-गद् दिखाई दिये। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए दिया कुमारी ने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग और व्यक्ति विशेष की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर पार्टी ने घोषणा पत्र बनाया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पर लगाम लगाने की दिशा में पार्टी ने पहला कदम ले लिया है।

इससे पहले गुरुवार को सुबह दिया कुमारी ने भवानी निकेतन मंडल कार्यालय का विधिवत पूजा अर्चना के बाद उद्घाटन किया। कार्यालय उद्घाटन के मौक़े पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने जनता के साथ वादाखिलाफी की है। उन्होंने प्रदेश के किसानों के साथ कर्ज माफी के किए गए वादे को नहीं निभाया, उनके साथ भी धोखा किया है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बेरोजगारों को रोज़गार नहीं दिया। कांग्रेस सरकार के राज में प्रदेश में महिला उत्पीड़न, महिला अत्याचारों की घटनाएं चरम सीमा पर रहीं। अब समय आ गया है ऐसी जन विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने का। दिया कुमारी ने वार्ड संख्या 18 एवं 20 में भी जनसंपर्क करते हुए लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मोहनलाल अग्रवाल, पार्षद राधेश्याम शर्मा, पार्षद सुरेश जांगिड़, कैलाश सोनी, सुरेंद्र राजपुरा सहित वार्डवासी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

साफ बादल रहने एवं वर्षा नही होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (15 नवम्बर -19 नवम्बर) मध्यम से साफ बादल रहने एवं वर्षा नही होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 28-29 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 15-16 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 60-68 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 46-52 प्रतिशत रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा उत्तर-पूर्व एवं पूर्व दिशा में बहने एवं 06-09 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

भाई भाई में हुआ विवाद मारपीट में बदला

अमरवाड़ा। सिंगोडी चौकी के ग्राम बड़े गांव में रहने वाले सुरेश एवं राजेंद्र आपस में सगे भाई हैं सुरेश बड़ा भाई है जिससे बेवजह छोटा भाई गाली गुप्तार करता है बड़े भाई द्वारा गाली देने से मना किया तो सुरेश को राजेंद्र ने मारपीट कर गालियां दी एवं जान से मारने की धमकी दिया सुरेश की रिपोर्ट पर राजेंद्र के विरुद्ध मारपीट एवं जान से मारने की धमकी का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

332 पोलिंग बूथ पर मतदान करवाने रवाना हुई टीम

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के 332 मतदान केदो पर अधिकारी कर्मचारियों की रावण की 16 नवंबर की सुबह स्ट्रांग रूम जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोलने के पश्चात EVM मशीन वैलिड यूनिटCU,VV Ped, तथा और मतदान केंद्र में लगने वाली आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया मॉडल स्कूल प्रांगण से उन्हें बसों में संबंधित बूथ पर पहुंचने का क्रम जारी रहा जो दोपहर तक चला। निर्वाचन अधिकारी हेमकरण धुर्वे ने बताया कि निर्वाचन आयोग की ओर से अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए 332 मतदान कें केंदो के बीबीयूनिट 332 तथा रिजर्व 113 सीयू 332 रिजर्व 117, वी वी पी ए टी 332 रिजर्व 101 यूनिट उपलब्ध कराई गई मतदान 17 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6ः00 बजे तक होगा।

आज सारे काम छोड़ दो-सबसे पहले वोट दो

छिंदवाड़ा। आज छिंदवाड़ा सहित सम्पूर्ण मध्य प्रदेश मनावेगा विश्व का सबसे बड़ा महोत्सव मतदान उत्सव, आईए मित्रों करते हैं निर्भीकता से मतदान और चुनते हैं मां भारती का सच्चा सेवक उक्त अपील छिंदवाड़ा जिले सहित प्रदेश वासियों से करी सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर दीपक राज जैन ने। श्री जैन का कहना है आज हमें छिंदवाड़ा सहित मध्य प्रदेश एवं भारत का भविष्य चुनना हैं, आपका एक वोट भारत भाग्य विधाता बनेगा अत: आज 17 नवंबर को 18 वर्ष एवं उससे ऊपर के समस्त प्रदेशवासी प्रात: काल की मंगल बेला पर अपने अपने इष्टदेवों का दर्शन पूजन कर मतदान केंद्र पहुंचे और स्वतंत्रता पूर्वक मतदान कर मां भारती का सच्चा सेवक चुने। यह कार्य आपका अधिकार एवं प्रथम कर्तव्य भी है।

332 पोलिंग बूथ पर मतदान करवाने रवाना हुई टीम

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के 332 मतदान केदो पर अधिकारी कर्मचारियों की रावण की 16 नवंबर की सुबह स्ट्रांग रूम जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोलने के पश्चात EVM मशीन वैलिड यूनिटUCU,VV Ped, तथा और मतदान केंद्र में लगने वाली आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया मॉडल स्कूल प्रांगण से उन्हें बसों में संबंधित बूथ पर पहुंचने का क्रम जारी रहा जो दोपहर तक चला। निर्वाचन अधिकारी हेमकरण धुर्वे ने बताया कि निर्वाचन आयोग की ओर से अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए 332 मतदान कें केंदो के बीबीयूनिट 332 तथा रिजर्व 113 सीयू 332 रिजर्व 117 , वी वी पी ए टी 332 रिजर्व 101 यूनिट उपलब्ध कराई गई मतदान 17 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6ः00 बजे तक होगा।

नाथ परिवार ने सिद्ध सिमरिया हनुमान मंदिर में टेका माथा

छिन्दवाड़ा। सिद्ध सिमरिया हनुमान मंदिर पहुंचे नाथ परिवार ने संकट मोचन, दुख भजन मारुति नंदन के चरणों में माथा टेककर प्रदेश और जिले के स्वर्णिम भविष्य के लिये कामना की। आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ ने पुत्र सांसद नकुलनाथ व पुत्रवधु श्रीमती प्रियानाथ के साथ सिमरिया धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना की। सर्वप्रथम नेताद्वय ने प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की आराधना के पश्चात भव्य मंदिर की गर्भगृह में विराजमान भगवान राम, लक्ष्मण व जानकी जी, मां दुर्गा, राधा कृष्ण, भगवान शंकर व माता पार्वती की विधि विधान से पूजा अर्चना की।

छिंदवाड़ा जिले में ...

7 विधानसभा क्षेत्र, 3 सामान्य, 3 अनुसूचित जनजाति, 1 अनुसूचित जाति 16 लाख 19 हजार 101 मतदाता डालेंगे वोट

बंटी पटेल निर्दलीय चौरई से कांग्रेस विद्रोही

छिंदवाड़ा। जिले में बढ़े 70 हजार 350 नए मतदाता, दिव्यांग, बुजुर्ग मतदाता चाहें तो कर सकते बैलेट पेपर का उपयोग- मनोज पुष्प इस तरह जिले में कुल 16 लाख 19 हजार 101 मतदाता हैं जो जिले की संख्या के 68.89 प्रतिशत हैं कलेक्टर मनोज पुष्प से कहा कि वोट डालने के लिए मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है इस बार हमारा लक्ष्य है कि जिले में 90 प्रतिशत मतदान हो इसके लिए सभी के सहयोग की जरूरत है। उन्होने बताया कि जिन नए मतदाताओं ने वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाए हैं उनके ईपीक कार्ड का पूर्ण वितरण पोस्ट ऑफिस के माध्यम से किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में अतिरिक्त कलेक्टर सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

नये मतदाता होंगे 70,359

जिले में 18 से 19 वर्ष के 70 हजार 350 मतदाताओं की संख्या बढ़ी है अभी भी वोटर लिस्ट में नाम नहीं जुड़ा पाए हैं वे जुड़ा सकते हैं कलेक्टर मनोज पुष्प पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होने बताया कि जो मतदाता 80 वर्ष से अधिक के हैं वे चाहें तो बीएलओ से सम्पर्क कर पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने घर से ही मतदान कर सकते हैं दिव्यांग मतदाताओं के लिए भी यह सुविधा चुनाव आयोग द्वारा की गई है। उन्होने बताया कि जिले की विधानसभाओं में 22 सितंबर 2023 की स्थिति में सातों विधानसभाओं में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला आज सुबह 7 बजे से 16 लाख 19 हजार मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

जिले की सातों विधानसभा सीटों के लिए आज वोट डाले जाएंगे सभी विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 16 लाख 19 हजार से अधिक हैं। जिले के 78 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला आज ईव्हीएम में बंद हो जाएगा। सभी सीटों में पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के बीच है। दोनो दल अपने अपने उम्मीदवार के जीतने का दावा कर रहे हैं। जीत किसकी होगी यह तीन दिसंबर को आने वाले परिणाम से ही पता चल पाएगा। जिले की विधानसभाओं में मतदाताओं की संख्या पर नजर डालें तो जुन्नारदेव विधानसभा में में कुल मतदाता 2 लाख 21 हजार 73 हैं, वहीं अमरवाड़ा विधानसभा में मतदाताओं की संख्या 2 लाख 55 हजार 115 है, चौरई विधानसभा में 2 लाख 18 हजार 289 मतदाता, सौंसर विधानसभा में 2 लाख 10 हजार 187 मतदाता, छिंदवाड़ा विधानसभा में 2 लाख 81 हजार 683, परासिया विधानसभा में 2लाख 18 हजार 287, पांढुर्ना विधानसभा में 2 लाख 14 हजार 467 मतदाताओं की संख्या है। जिला प्रशासन और चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं से अधिक से अधिक वोट करने की अपील की गई है इसके लिए विभिन्न माध्यमों से प्रचार भी जिले भर में किया गया वहीं भाजपा कांग्रेस के कार्यकर्ता भी वोटरों को वोट डलवाने भरसक प्रयास करेंगे। आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो जाएगा और शाम 6 बजे तक चलेगा। और सभी प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईव्हीएम मशीन में बंद जो जाएगा।

इस बार 90 प्रतिशत तक हो सकता है मतदान

छिंदवाड़ा। 2018 में विधानसभाओं में 80 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था, मतदाता जागरूक हुआ है, नये मतदाता भी बढे है ।सम्भावना व्यक्त की जा रही है क कुछ विधानसभाओं में 90 प्रतिशत मतदान हो सकता है।

2018 में पड़े मतो का प्रतिशत

चौरई- 86.92 प्रतिशत
जुन्नारदेव- 83.26 प्रतिशत
अमरवाड़ा- 87.69 प्रतिशत
सौंसर- 87.44 प्रतिशत
छिंदवाड़ा- 80.74 प्रतिशत
परासिया- 80.89 प्रतिशत
पांढुर्ना- 84.77 प्रतिशत

गोंडवाना तीसरी शक्ति

छिंदवाड़ा। जिले में डोंवाना गणतंत्र पार्टी तीसरे शक्ति के रूप में ऊभरी है, जिसमें तीन विधानसभा क्षेत्र में ज्यादा वोट लिए है, चौरई में 12,551, जुन्नारदेव 19,369, अमरवाड़ा 61,269, सौंसर में 1892, छिंदवाड़ा 2,211, परासिया में 4,689, पांढ़र्ना में 4,230 वोट लिये थे, कुछ निद्रलीय प्रत्याशियों ने गोंडवाना पार्टी के प्रत्याशी से ज्यादा वोट लिये थे।

इन प्रत्याशियों के बीच है मुकाबला

छिंदवाड़ा विधानसभा में मुख्य मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और भाजपा के विवेक बंटी साहू के बीच है। वहीं चौरई विधानसभा में भाजपा के लखन वर्मा और कांग्रेस के सुजीत चौधरी के बीच है यहां निर्दलीय खड़े बंटी पटेल दोनो दलों की जीत हार में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। अमरवाड़ा विधानसभा में मोनिका बट्टी और कांग्रेस के कमलेश शाह में मुकाबला है। लेकिन भाजपा के असंतुष्ट समीकरण बिगाड़ने में लगे हुए हैं। सौंसर विधानसभा में सीधा मुकाबला कांग्रेस के विजय चौरे और भाजपा के नाना मोहोड़ के बीच है। यह भाजपा के बागी भी चुनाव लड़ रहे हैं। परासिया विधानसभा में भाजपा की ज्योति डेहरिया और कांग्रेस के सोहन बाल्मिकी में मुकाबला है। यहां भाजपा के असंतुष्ट भी सक्रिय हैं। जुन्नारदेव विधानसभा में सुनील उईके को भाजपा के नत्थनशाह कड़ी टक्कर दे रहे हैं। पांढुर्ना विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी प्रकाश उईके को बाहरी उम्मीदवार बताया जा रहा है। उनका मुकाबला कांग्रेस के नीलेश उईके के साथ है। बहरहाल सभी प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला आज ईव्हीएम मशीन में बंद हो जाएगा।

विधानसभा निर्वाचन 2023

उत्सव जैसे माहौल में मतदान दल हुआ रवाना

छिंदवाड़ा और चौरई के मतदान दलों को जिला मुख्यालय से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्प ने शुभकामनाएं देकर किया रवाना

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प के मार्गनिर्देशन में विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान के लिये आज मतदान दलों को उत्सव जैसे माहौल में मतदान सामग्री और ईवीएम प्रदाय कर मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया । विधानसभा छिंदवाड़ा और चौरई के मतदान दलों को शासकीय पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा से मतदान सामग्री और ईवीएम का वितरण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प की मौजूदगी में किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प ने मतदान दलों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं देकर उन्हें रवाना किया। शेष सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान सामग्री का वितरण विधानसभा मुख्यालय में बनाए गए मतदान सामग्री वितरण स्थल से किया गया। जुन्नारदेव में शासकीय कन्या शिक्षा परिसर जुन्नारदेव, अमरवाड़ा में शासकीय मॉडल स्कूल अमरवाड़ा, सौंसर में कृषक विश्राम भवन कृषि उपज मंडी परिसर सौंसर, परासिया में शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय खिरसाडोह और पांढुर्णा में कृषक विश्राम गृह कृषि उपज मंडी परिसर पांढुर्णा में बनाए गए मतदान सामग्री वितरण स्थल से मतदान सामग्री और ईवीएम प्राप्त कर मतदान दल मतदान केन्द्रों के लिये रवाना हुये। मतदान के बाद सभी विधानसभा क्षेत्रों से मतदान सामग्री और ईवीएम की वापसी शासकीय स्वशासी पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में ही होगी।

अमरवाड़ा विधानसभा पहुंचे कलेक्टर, एसपी

लोगों से भय मुक्त होकर मतदान करने की अपील मीडिया कर्मियों से चर्चा

अमरवाड़ा । आज होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अमरवाड़ा पहुंचे छिंदवाड़ा कलेक्टर मनोज पुष्प और एसपी विनायक वर्मा ने अमरवाड़ा के मतदान केदो का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार कलेक्टर मनोज पुष्प और एसपी विनायक वर्मा ने अमरवाड़ा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्थित पिंक बूथ का निरीक्षण किया और यहां मौजूद मतदान दल और सुरक्षा दल से चर्चा कर उन्हें दिशा निर्देश दिए हैं इस दौरान उन्होंने कहा कि मतदान केदो में समुचित व्यवस्था रहे कोई भी सामाजिक तत्व मतदान केंद्र के आसपास ना हो और लोगों से उन्हें अपील की है कि आप सभी भय मुक्त होकर अपना मतदान जरूर करें वहीं एसपी विनायक वर्मा ने दिशा निर्देश दिए हैं कि मतदान केंद्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हो इस अवसर पर अमरवाड़ा रिटर्निंग ऑफिसर हेमकरण धुर्वे एसडीओपी रविंद्र मिश्रा नगर निरीक्षक राजेंद्र धुर्वे मौजूद रहे साथ ही अमरवाड़ा के मीडिया कर्मियों से भी कलेक्टर और एसपी ने चर्चा की

फोटोयुक्त दस्तावेज दिखा कर सकेंगे मतदान

छिन्दवाड़ा। निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिप्रेक्ष्य में आगामी 17 नवम्बर 2023 को मतदान के लिए मतदाता पहचान पत्र नहीं होने की दशा में ई-मतदाता परिचय पत्र आयोग की बेबसाईटhttps://voters.eci.gov.in/ से डाउनलोड किया जाकर मतदान किये जाने की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त 12 प्रकार के वैकल्पिक दस्तावेजों के माध्यम से भी मतदाता अपने मत का उपयोग कर सकते हैं।

मतदाता प्राप्त कर सकते हैं निर्वाचन संबंधी जानकारी

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में विधानसभा निर्वाचन 2023 को सुचारू रूप से संपन्न कराये जाने के लिये ई-दक्ष केन्द्र में जिला स्तरीय निर्वाचन कंट्रोल रूम को स्थापित किया गया है। यह कंट्रोल रूम 24ङ्क7 चालू है जिसका टेलीफोन नंबर 07162-243421 है। जिला स्तर पर कार्यरत कंट्रोल रूम के लैंडलाइन नंबर द्वारा जिले के 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता भी मतदान संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए संपर्क कर सकते हैं।

2,55,115 मतदाता अमरवाड़ा में करेंगे मतदान नौ प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला

मतदान हेतु 10 आदर्श और 10 पिंक मतदान केंद्र बनाए गए

अमरवाड़ा। लोकतंत्र का महापर्व मतदान शुक्रवार 17 नवंबर को होगा अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से कुल 9 उम्मीदवार भाग आजमा रहे हैं विधानसभा चुनाव में 255115 मतदाता जिसमें पुरुष 127963 एवं महिला मतदाता 127148 तथा थर्ड जेंडर मतदाता चार मतदाता 17 नवंबर को 15 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। अमरवाड़ा नगरी क्षेत्र में 5 पिंक मतदान केंद्र अमरवाड़ा नवीन शाला, कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला 3, बेसिक शाला कक्ष क्रमांक एक शासकीय बालक शाला कक्ष क्रमांक 3, कन्या उच्चतर माध्यमिक शद्यला कक्ष क्रमांक 2 , हररई मतदान केंद्र क्रमांक 129, 134 मतदान केंद्र बमोरी सलैया बुलाकी वरुल पिंक मतदान केंद्र के रूप में तैयार किए गए हैं यहां मतदाताओं के लिए शुद्ध पेयजल बैठक व्यवस्था महिलाओं के लिए विशेष कक्ष आदि की व्यवस्था की गई है साथ ही मतदान केदो को सजाया सवार जा रहा है सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं ठीक इसी प्रकार मॉडल आदर्श मतदान केंद्र भी बनाए गए हैं जिसमें रातेड़, भूमका हररई बसुरिया कला हड़ाई, सुरला खापा, ढोड़ा कुही अकालमा, कुदवारी, घोगरी मतदान केंद्र की साज सजा के साथ साफ सफाई टेंट एवं गेट लगाएं जा रहे हैं बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से चालू की गई है।

पहले करें मतदान फिर करें अन्य काम

छिंदवाड़ा। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वीप प्लान के तहत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में समाजसेवी संस्था संकल्प वेलफेयर सोसाइटी, बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकास समिति द्वारा गुरुवार को एकता परिसर खापाभाट क्षेत्र में मतदान जागरूकता अभियान के तहत स्वीप प्लान गतिविधि के अंतर्गत संकल्प वेलफेयर सोसाइटी के मार्गदर्शक एवम बहुउद्देशिया शेक्षाणिक विकास समिति के अध्यक्ष समाजसेवी विनोद तिवारी एवम संकल्प बेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष डाक्टर चंद्रकांत विश्वकर्मा ने समिति के सभी पदाधिकारियों एवम सदस्यों को 17 नवंबर, शुक्रवार को होने वाले विधान सभा चुनाव में निर्भीक एवम निष्पक्ष होकर मतदान करने एवम दूसरो को मतदान हेतु प्रेरित करने एवम मतदान के लिए 12 प्रकार के दस्तावेजों की जानकारी प्रदान करने हेतु जागरूकता लाने शपथ दिलाई। इस अवसर पर संकल्प वेलफेयर सोसायटी के मार्गदर्शक राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त समाजसेवी विनोद तिवारी, समाजसेवी श्यामल राव,संस्था अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत विश्वकर्मा,संस्था सचिव संदीप अग्निहोत्री, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष आराधना शुक्ला ,सचिव श्रीमती लता नागले, डाक्टर भोला यादव ,सपना निर्मलकर , मनीष तिवारी,नंदू निर्मलकर, युवराज,डा महेश बंदेवार, एड.आशीष द्विवेदी के साथ कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा। विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए आदर्श मतदान केन्द्र एव पिंक मतदान केन्द्र बनाये

मप्र समेत चार चुनावी राज्यों में सिर्फ 11 प्रतिशत महिला प्रत्याशी ही मैदान में

नई दिल्ली। सरकारें और राजनीतिक दल भले ही महिलाओं को आगे लाने को लेकर भले ही बड़े-बड़े वादे और दावे करे, लेकिन हकीकत तो यह है कि सियासत के मैदान में ही महिलाओं को तवज्जो नहीं दी जा रही है। यह जानकारी वर्ल्ड बैंक, राइस यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर की जॉइंट स्टडी में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, देश के चार चुनावी राज्यों (मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम) में कुल 560 सीटों के लिए 5,764 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें सिर्फ 609 (11प्रतिशत) महिलाएं हैं। तेलंगाना की 119 सीटों के पूरे आंकड़े उपलब्ध नहीं होने से महिलाओं की जानकारी नहीं मिल सकी है, लेकिन यहां भी भाजपा ने 14 व कांग्रेस ने 11 महिला उम्मीदवार ही उतारी हैं। सियासती भेदभाव से साफ नजर आ रहा है कि देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी अब भी कितनी कम है। यह स्थिति तब है, जब 20 साल में चुनाव लड़ने वालीं महिलाएं 152 प्रतिशत बढ़ गई हैं, वहीं इनका सक्सेस रेट पुरुषों से 4 प्रतिशत तक ज्यादा रहा है। जहां महिलाएं विधायक रहीं उन इलाकों में विकास की रफ्तार पुरुष विधायकों के मुकाबले 15 प्रतिशत तक ज्यादा रही।

16 राज्यों की 3,473 विधानसभाओं का डेटा खंगाला गया: वर्ल्ड बैंक, राइस यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर की जॉइंट स्टडी के मुताबिक, जहां महिलाओं की शिक्षा का स्तर बेहतर हुआ है, वहां 10त्न ज्यादा महिलाओं के चुनाव लड़ने और उनके जीतने की संभावना 4 गुना तक बढ़ जाती है। 1993 से 2004 के बीच चले डिस्ट्रिक्ट प्राइमरी एजुकेशन प्रोग्राम (डीपीईपी) का विश्लेषण करने पर ये नतीजे सामने आए है। प्रोग्राम देश के कुल 593 में से 219 जिलों में चला था, क्योंकि वहां महिला की साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत 40 प्रतिशत से भी कम थी। इस स्टडी के लिए 1980 से 2007 के बीच 16 राज्यों की 3,473 विधानसभाओं का डेटा खंगाला गया। देश की करीब 95 प्रतिशत आबादी इन्हीं विधानसभाओं में रहती है।

38 प्रतिशत ने माना- जिम्मेदार पदों पर महिलाएं होने से रिश्वतखोरी कम

यूएन यूनिवर्सिटी वर्ल्ड इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स रिसर्च के मुताबिक, 1992 से 2012 के बीच 4 चुनावों के दौरान 4,265 विधानसभाओं का डेटा कहता है कि महिला विधायकों के मुकाबले पुरुषों पर पेंडिंग आपराधिक मामले करीब तीन गुना हैं। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 37त्न लोग मानते हैं कि पुरुष ज्यादा भ्रष्टाचार करते हैं। 38 प्रतिशत लोग कहते हैं, जिम्मेदार पदों पर महिलाएं हों तो घूसखोरी घटेगी।

उम्मीदवारी में पीछे, हिस्सेदारी भी कम

2000 से 2007 के बीच 40 मुख्य पार्टियों (जिन्होंने कभी भी राज्य में 5 प्रतिशत से ज्यादा सीटें जीती हों) में से सिर्फ 4 की प्रमुख महिला थी। 1980 से 2007 के बीच 3,473 विधानसभाओं में हुए 6 चुनावों का विश्लेषण कहता है कि 70 प्रतिशत विधानसभाओं में एक भी महिला उम्मीदवार नहीं थी। सिर्फ 7 प्रतिशत सीटें थीं, जिनमें एक से ज्यादा महिला उम्मीदवार मैदान में थी। वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में महिलाओं की साक्षरता दर 77 प्रतिशत और पुरुषों की 85 प्रतिशत है। जिन राज्यों में महिलाओं की साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से कम है, वहां उनके जीतने की संभावना भी कम।

आज के मतदान में राजधानी भोपाल के वरिष्ठ नागरिकों ने विशेष रूप से विकलांग महिलाओं ने बड़ी रुचि से मतदान किया यह फोटो ई 3 अरेरा कॉलोनी भोपाल का है जिसमें वृद्ध महिलाएं व्हीलचेयर पर और वाकर पर मतदान करने आई है। छायांकन : जगदीश कौशल भोपाल

मतदान केंद्र पर करंट लगने से एक की मौत

हरदा। जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम धनगांव में शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे के आसपास मतदान केंद्र पर लगे टेंट को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के दौरान चार लोगों को करंट लग गया। जिसमें एक 27 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वही तीनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम धनगांव में शुक्रवार सुबह जब वोटिंग शुरू हुई तब मतदान दल के कर्मचारियों और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने मतदान करने आए सुनील पिता भूरेलाल पंवार को टेंट को दूसरे स्थान पर रखने के लिए मदद करने को कहा। इस दौरान सचिव अनिल विश्नोई, बृज विश्नोई और कैलाश मांडले चारो लोग टेंट के पाइप को उठाकर दूसरे स्थान पर ले जा रहे थे। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही 11 केवी की लाइन के सम्पर्क में आने से चारो को करंट लग गया। वहीं सुनील की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। वहीं सचिव अनिल विश्नोई का जिला अस्पताल में और अन्य दो घायलों का निजी अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे के बाद पूरा परिवार सदमे में है। मृतक के भाई ने बताया कि सुनील वोट डालने गया था, लेकिन उसके पास परिचय पत्र नही था केवल मतदान पर्ची थी जिसके बाद उसे परिचय पत्र लाने को कहा गया था। इसके बाद जब वह कर्मचारियों और पुलिस की मदद कर रहा था तभी यह हादसा हो गया।

इंदौर में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं का थाने पर हंगामा, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठियां भी भांजीं

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआ थाने पर गुरुवार रात जमकर हंगामा हुआ। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राऊ विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी जीतू पटवारी के समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने का घेराव कर दिया। इसकी जानकारी लगते ही कांग्रेस कार्यकर्ता भी यहां पहुंच गए। जिसके बाद दोनों ओर से नारेबाजी शुरू हो गई। हंगामा बढ़ता देख पुलिस ने बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। पुलिस को आंसू गैस के गोले भी छोड़ने पड़े।

भाजपा का आरोप है कि गुरुवार रात जीतू पटवारी के समर्थकों ने पार्षद पति पुष्पेंद्र सिंह चौहान से मारपीट की। इसमें जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी भी शामिल हैं। भाजपा कार्यकर्ता एफआईआर के लिए अड़ गए। इधर कांग्रेस का कहना है कि भाजपा झूठा आरोप लगा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के कार्यकर्ता जीत नगर में शराब बंटवा रहे थे। इसका विरोध किया तो उन्होंने अभद्रता कर मारपीट की। काउंटर एफआईआर के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता भी अड़ गए। जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया।

पटवारी बोले-भाजपा में हार की बौखलाहट साफ दिखाई दे रही

राऊ से कांग्रेस प्रत्याशी जीतू पटवारी ने इस मामले में कहा कि भाजपा में हार की बौखलाहट साफ नजर आ रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मारपीट करने के बाद शासन-प्रशासन पर केस दर्ज करने का दबाव डाला जा रहा है। हमारे गांव के रहने वाले रोहित पटवारी जब जीत नगर में प्रचार कर रहे थे तब उन पर पार्षद पति पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने हमला कर दिया। जिसमें उन्हें गंभीर चोट आई है। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी मधु वर्मा अपने भाई बलराम वर्मा के साथ थाने पहुंचकर पुलिस पर गलत कार्रवाई करने का दबाव डाल रहे हैं।

घायल रोहित बोला- मुझ पर पीछे से हमला किया

जीतू पटवारी के समर्थक घायल रोहित पटवारी का कहना है कि बिलावली में मेरा खेत है। मैं खेत से घर जा रहा था तब 8,10 गाड़ियां थी। सभी को चेक किया जा रहा था। जब उनको पता चला कि यह रोहित पटवारी है तो बलराम वर्मा और उनके साथी ने मुझ पर पीछे से हमला कर दिया और मुझे मारने लगे। सिर में चोट लगने के कारण आगे क्या हुआ कुछ जानकारी नही है।

डीसीपी बोले- दोनों पक्षों ने मारपीट का केस दर्ज कराया

इंदौर जोन-4 के एडिशनल डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जीत नगर में विवाद हुआ है। इसमें एक पक्ष के व्यक्ति के सिर में चोट आई है। वह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने आया था। उसी दौरान दूसरे पक्ष के लोग भी मारपीट की शिकायत दर्ज कराने थाने पर पहुंच गए। दोनों पक्षों ने मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है।

अभी तक की जानकारी के मुताबिक आरोप है कि एक पक्ष द्वारा शराब और कंबल बांटे जा रहे थे। इसकी भी जांच की जा रही है। बता दें कि जिस व्यक्ति के सिर में चोट लगी है वह जीतू पटवारी का समर्थक रोहित पटवारी है।

भोपाल प्रदेश का सबसे प्रदूषित शहर, दीवाली के बाद सबसे धीमी रफ्तार से सुधर रहा शहर का एक्यूआई

भोपाल। दिवाली के बाद से अभी तक प्रदेश के कई शहरों के एक्यूआई में गिरावट आई है, मगर भोपाल में इसका कोई असर नहीं देखा गया। गुरुवार को भोपाल प्रदेश का सबसे प्रदूषित शहर बना। भोपाल में दिवाली के दिन एक्यूआई 353 अधिकतम रहा था, वो घटकर अभी 322 हो गया है। एक्सपर्ट्स की मानें तो शहर में विंड वैलोसिटी यानी विंड प्रेशर काफी कम है, वहीं ओवर कास्ट कंडीशन के कारण भी डस्ट पार्टिकल और हानिकारक गैसें वायुमंडल में ठहरी हुई हैं। बता दें, 323 एक्यूआई यानी सीवियर से पहले की स्थिति है। 400 होते ही यह एक्यूआई सीवियर में आ जाता है।

शहर के एक्यूआई की बात करें तो पर्यावरण परिसर में मौजूद लाइव मॉनिटरिंग सिस्टम पर गुरुवार 284 एक्यूआई था। इसी तरह सुबह टीटी नगर पर एक्यूआई 238 दर्ज किया था वहीं, ईदगाह हिल्स और कोहेफिजा इलाके सुबह 322 त्तद्ब दर्ज किया था। शाम होते होते 296 पर पहुंच गया। एमपीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार शहर भर में पीएम 2.5 यानी धूल के बारीक कण से सबसे अधिक प्रदूषण हो रहा है। सभी जगहों पर जो एक्यूआई बढ़ रहा है यह इसका मुख्य मुख्य कारण पीएम 2.5 ही है।

कोहरा और सर्दी में इसलिए बढ़ता है प्रदूषण

पर्यावरण के जानकारों का कहना है कि ठंड के सीजन में आम तौर पर एक्यूआई बढ़ता ही है। ठंड में वाहनों से निकलने वाली हानिकारक गैसें एक्सपेंड नहीं हो पाती व वायुमंडल में ठहरी रहती हैं। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है, गैस व धूल के कण वायुमंडल में देर तक ठहरते हैं, इससे एक्यूआई बढ़ता है। इसी के साथ अधिक कोहरे की वजह से भी कई बार वायुमंडल में मौजूद हानिकारक गैसेस डिजॉल्व नहीं हो पातीं हैं।

शहर	एक्यूआई दिवाल	एक्यूआई अब
भोपाल	353	322
ग्वालियर	397	319
सिंगरौली	377	310
जबलपुर	331	301
कटनी	318	279

राजनगर में कांग्रेस पार्षद की हत्या, विधायक का आरोप-मुझे भी मारने की थी साजिश

छतरपुर। राजनगर में कांग्रेस पार्षद की हत्या हो गई। स्थानीय कांग्रेस प्रत्याशी और विधायक विक्रम सिंह नाती राजा ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। सलमान खान खजुराहो नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 6 से पार्षद थे।

विधायक विक्रम सिंह नाती राजा ने बताया, मैं खुद प्रत्यक्षदर्शी हूं। अकोना गांव में शुक्रवार तड़के 4 बजे भाजपा कार्यकर्ताओं ने सलमान को कार से कुचलकर मार डाला। मेरे ऊपर भी गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। थाने में फरियाद लेकर पहुंचे विधायक पूरा वाकया बताते हुए रोने लगे। वहीं, भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया ने कहा, %ये नशे में थे, इनकी गाड़ियां टकरा गईं और एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसका दोषी मुझे ठहरा रहे हैं। खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पीएम रिपोर्ट के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विधायक बोले- भाजपा कार्यकर्ता माहौल बिगाड़ रहे

विधायक विक्रम सिंह ने रोते हुए बताया, हमें जानकारी मिली थी कि टोरिया वाले रास्ते पर भाजपा कार्यकर्ता माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हम वहां पहुंचे। मेरी गाड़ी सलमान खान ड्राइव कर रहे थे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमें देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। हम गाड़ी से नीचे उतरे। बहस के बीच मैं कुछ देर बाद गाड़ी में बैठ गया। सलमान नीचे ही थे, तभी भाजपाइयों ने उनके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। मैं मदद के लिए उतरा तो मेरे ऊपर भी गाड़ी चढ़ाकर मारने की कोशिश की।

भाजपा प्रत्याशी बोले- कांग्रेसियों की गाड़ी से मौत हुई

राजनगर से भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया ने वीडियो जारी कर कहा, %विक्रम सिंह गंदी राजनीति कर रहे हैं। यह मुझे बदनाम करने की साजिश है। मेरी प्रशासन से मांग है कि इसकी न्यायिक जांच हो। जो भी दोषी हो, उस पर सख्त कार्रवाई हो। इन्होंने कल पूरे दिन विधानसभा क्षेत्र में आतंक मचाया। रानी साहिबा रात 11 बजे 10 गाड़ियों से नया गांव पहुंचीं और तांडव किया।

भोपाल में पुलिस अधिकारी दंपती की बेटी ने नौवीं मंजिल से कूदकर दी जान, चुनाव ड्यूटी पर थे माता-पिता

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी में गुरुवार रात को सनसनीखेज घटना में पुलिस अधिकारी दंपती की 17 वर्षीय छात्रा बेटी ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। उसने यह कदम क्यों उठाया? इसकी वजह फिलहाल सामने नहीं आ सकी है।

घटना शहर के कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित की है। यहां मृतका छात्रा के रिश्तेदार रहते हैं। कमला नगर थाने की टीआइ निरूपा पांडेय के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छात्रा चार इमली स्थित अपने घर से गुरुवार रात करीब पौने नौ बजे अपनी दादी को यह बताकर निकली थी कि वह नानी के घर जा रही है।

वह बिल्डिंग में नानी के घर पहुंची थी, लेकिन वहां उसको नानी नहीं मिलीं। इसके बाद पता नहीं उसे क्या सूझा कि वह एक मंजिल और चढ़कर नौवीं मंजिला पर गई और वहां से नीचे कूद गई। पुलिस ने शव को हमीदिया अस्पताल की मर्च्युरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना पर पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना की बारीकी से जांच करने के निर्देश दिए हैं।

छात्रा को नौवीं मंजिल से छलांग लगाते हुए नीचे खेल रहे बच्चों ने देख लिया था। दरअसल, छात्रा ने जब नौवीं मंजिल से छलांग लगाई, तब नीचे बच्चे खेल रहे थे। उसके गिरते ही सभी बच्चे वहां से भाग गए। उसके गिरने की आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर आए। छात्रा की पहचान कर पुलिस को इसकी सूचना दी गई। छात्रा के माता-पिता विधानसभा चुनाव ड्यूटी में लगे थे, इसलिए वे दोनों घर पर नहीं थे। घटना की जानकारी लगते ही मां मौके पर तत्काल पहुंच गई थीं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को एक डायरी मिली है। बच्ची को रोजाना डायरी लिखने का शौक था। वह अच्छी कविताएं लिखती थी। उसका एक छोटा भाई भी है।

आज से नहाय-खाय के साथ शुरू होगा छठ महापर्व

भोपाल। भोजपुरी समाज के लोगों की आस्था का प्रमुख महापर्व छठ शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो जाएगा। चार दिवसीय इस पर्व को शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाले पांच लाभ भोजपुरी समाज के लोग मनाएंगे। छठ महापर्व को मनाने की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। शहर की शीतलदास की बगिया, खटलापुरा, रानी कमलपाति घाट, भेल बरखेड़ा सहित 50 से अधिक विसर्जन घाटों व कुंडों पर 19 व 20 को एक लाख से अधिक व्रतधारी विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। भोजपुरी एकता मंच अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि छठ पूजा संतान प्राप्ति एवं संतान की सुख समृद्धि के लिए किया जाएगा यह 36 घंटे का निर्जला व्रत रहेगा...

नहाय-खाय के साथ होती है छठ महापर्व की शुरुआत- पंडित रामजीवन दुबे और विनोद गौतम ने बताया कि मान्यता है कि घर में सुख-समृद्धि और संतान को लेकर ये पूजा की जाती है। छठ पूजा करने वाले को सुख-समृद्धि और वैभव की प्राप्ति होती है और व्रती की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को नहाय खाय के साथ छठ पर्व की शुरूआत होगी। इस दिन व्रती स्नान करके सात्विक भोजन ग्रहण करेंगी। इसे नहाय खाय के नाम से जाना जाता है। शनिवार को खरना यानी नहाय खाय के दूसरे दिन खरना होता है, जो कार्तिक शुक्ल की पंचमी तिथि होती है। इस दिन व्रतधारी दिनभर उपवास कर शाम को भगवान को प्रसाद का भोग लगाकर भोजन करते हैं। भोजन में गुड़ की खीर खाते हैं। इस दौरान किसी भी तरह की आवाज आने पर व्रती खाना छोड़ देते हैं। खरना वाले दिन खास तौर पर ध्यान रखा जाता है कि व्रती के कान तक किसी भी तरह का शोर ना जाए, खरना के दिन सड़कों पर कम से कम गाड़ियां चलती हैं। लोग ध्यान रखते हैं कि कहीं किसी तरह का शोर ना हो क्योंकि जरा सा भी शोर हुआ तो व्रती उसी वक्त खाना छोड़ देगा।

18 नवंबर -खरना होगा

पूरे दिन निर्जल उपवास रखने के उपरांत शाम को गुड़ की खीर एवं घी वाली रोटी पूजा अर्चना के उपरांत महाप्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं व्रतधारी एवं प्रसाद का वितरण किया जाता है

19 नवंबर -डाला छठ पूजा

इसमें सभी व्रत धारी दोपहर बाद शीतल दास की बगिया वाली घाट पर पहुंच कर बस के सुपर में ऋतु फल ठेकुआ पकवान गागल नारियल गाना अक्षरा सिंदूर चना मौसमी तथा अदरक पत्ते वाले मूली पत्ते वाली हल्दी पत्ते वाली शादी के सूट में रहकर कमर भर पानी में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य भगवान को अर्ध अर्पित की जाएगी शाम का अर्थ पानी से दिया जाएगा

20 नवंबर -पारण

सूर्य भगवान को बस के सूप में ऋतु फल एवं पकवान सजा कर गाय के कच्चे दूध से अर्घ्य अर्पित किया जाएगा सूर्य भगवान उसके उपरांत इस व्रत का समापन होगा जिसे पारण कहते हैं।